



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 92]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 3, 2007/चैत्र 13, 1929

No. 92]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 3, 2007/CHAITRA 13, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 2007

विषय : चीन जन. गण., हाँकाँग, सिंगापुर तथा चीनी ताइपेई के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/15/2005/डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, आकलन एवं उन पर शुल्क या अतिरिक्त संकलन एवं क्षति के निर्धारण के लिए) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः, अधिनियम और नियम के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को समक्ष चीन जन. गण., हाँकाँग, सिंगापुर तथा चीनी ताइपेई (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल (सीडी-आर) (जिसे एतदपश्चात संबद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए ऑप्टिकल डिस्क विनिर्माता कल्याण एसोसिएशन, नई दिल्ली (जिसे एतदपश्चात आवेदक कहा गया है) द्वारा प्रस्तुत आवेदन के आधार पर प्राधिकारी ने कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा एवं प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि, जिसे यदि लागू किया जाए तो वह घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना, दिनांक 4 अप्रैल, 2006 जारी की।

3. और यतः, प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु के आयात पर अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए दिनांक 28 अगस्त को अपने प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित किया। प्राधिकारी की सिफारिशों पर कार्य करते हुए भारत सरकार ने दिनांक 6 अक्टूबर, 2006 की अधिसूचना सं. 105/2006-सीमाशुल्क के माध्यम से अंतिम शुल्क लागू किया।

क. प्रक्रिया

4. प्राधिकारी द्वारा उक्त जांच की शुरुआत करने संबंधी सार्वजनिक सूचना जारी करने के पश्चात् इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है।

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को जांच शुरूआत करने संबंधी 28 अगस्त, 2006 की अधिसूचना की एक प्रति भेजी और उन्हें उक्त अधिसूचना के 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी द्वारा संगत एवं दस्तावेजों द्वारा समर्थित सीमा तक हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों पर इन जांच परिणामों में विचार किया गया है।
- (ii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय अंश उसके द्वारा रखी गयी सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखे और उसे हितबद्ध पार्टियों के निरीक्षण हेतु खुला रखा।
- (iii) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी के समक्ष अपने विचार मौखिक रूप से प्रकट करने का अवसर प्रदान करने के लिए 15-2-2007 को सार्वजनिक सुनवाई की। तथापि, घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग नहीं लिया।
- (iv) आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत तथा भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकाली गयी थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति की समाप्ति के लिए पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क पर्याप्त होगा।
- (v) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के संबंध में उनके द्वारा किए गए गोपनीयता संबंधी दावों की जांच की गई है। ऐसी सूचना जो गोपनीय प्रकृति की है अथवा जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अगोपनीय सारांश के साथ गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है, उसे गोपनीय माना गया है। **** से इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पता चलता है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है।
- (vi) नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए आवश्यक तथ्यों और अपनाए जाने के लिए प्रस्तावित निर्धारण के आधार को दिनांक मार्च 2007 के प्रकट विवरण के जरिए सामान्य प्रकटनों के रूप में जात हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष और गोपनीय प्रकटनों के रूप में शामिल पक्षकारों के समक्ष प्रकट किया गया था। प्राधिकारी द्वारा हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर संगत तथा दस्तावेजों द्वारा उनके समर्थन की सीमा तक इन जांच परिणामों में विचार किया गया है।
- (vii) 1-10-2004 से 30-9-2005 तक की अवधि (पीओवाई) के लिए जांच की गई थी।
- (viii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किए गए वास्तविक तथ्यों पर इस जांच के संगत समझी गई तथा सत्यापन योग्य साक्ष्यों द्वारा समर्थन की सीमा तक विचार करते हुए इस जांच के परिणाम को तैयार किया गया है। सक्षिप्तता के लिए, प्रारंभिक जांच परिणाम में पहले उठाए जा चुके मुद्दों एवं तर्कों, जिनको हितबद्ध पक्षकारों द्वारा चुनौती नहीं दी गई है, को इस जांच परिणाम में दोहराया नहीं गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

5. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल (सीडी-आर) है। सीडी-आर एक पॉलिकारबोनेट डिस्क है, जिसमें सूचना लिखने और पढ़ने के लिए लेजर किरण को दिशा प्रदान करने हेतु एक तरफ एक पेंचदार खांचा होता है। डिस्क पर पेंचदार खांचे वाली और प्राकृतिक कार्बनिक रंजक की एक पतली परत तथा उसके पश्चात् चांदी, चांदी की मिश्रधातु अथवा सोने की एक पतली परावर्ती परत होती है। अंततः मेटल रिफ्लेक्टर के ऊपर फोटो-पॉलियराजेबल लैकर की एक सुरक्षादायी परत लगाई जाती है और पराबैंगनी-विकिरण से उसे उपचारित किया जाता है। इस तरह की डिस्क पर केवल एक बार रिकॉर्डिंग की जा सकती है और इसलिए "डब्ल्यूओआरएम" प्रकार (राइट वनस रीड मेनी टाइम्स) की डिस्क कहा जाता है। यह डिस्क डिजिटल आंकड़ों अथवा संगीत के लिए एक ऑप्टिकल स्टोरेज मीडियम है।

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. मै. एलाइड इलेक्ट्रॉनिक्स एंड मैग्नेटिक लिमिटेड ने दिनांक 17 फरवरी, 2007 के फैक्स के जरिए अपने लिखित प्रस्तुतीकरण में तर्क दिया है कि उत्पाद कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल (सीडी-आर) एक व्यापक नाम है और सीडी-आर 700 एमबी/80 मिनट (आम सीडी-आर) नामक सर्वाधिक लोकप्रिय प्रकारों के अलावा निम्नलिखित अन्य विशेषीकृत सीडी-आर उत्पादों को भी सीडी-आर की व्यापक श्रेणी के अंतर्गत रखा जाता है।

सीडी-आर 800 एमबी/90 मिनट

मिनी सीडी-आर (8 मिनट)

विजिटिंग कार्ड सीडी-आर

7. यह तर्क दिया गया है कि इन उत्पादों की प्रकृति विशिष्ट है और आम सीडी-आर की तुलना में उनकी अपेक्षाएं बहुत अधिक नहीं हैं तथा इन विशिष्टीकृत सीडी-आर कोई पाटन नहीं हुआ है। यह भी तर्क दिया गया है कि केवल कुछेक भारतीय विनिर्माता इन उत्पादों का उत्पादन करते हैं और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में केवल नियमित सीडी-आर को शामिल किया गया है। उपर्युक्त की दृष्टि से यह तर्क दिया गया है कि ऐसे विशिष्टीकृत सीडी-आर को पाटनरोधी शुल्क से मुक्त रखना चाहिए।

ग. 2 घरेलू उद्योग के विचार

8. हितबद्ध पक्षकारों के उपर्युक्त दावों पर प्रतिक्रिया दर्शाते हुए घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि हितबद्ध पक्षकारों की यह टिप्पणियाँ निराधार हैं और इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। यह निवेदन किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा सीडी-आर के सभी चार प्रकारों का उत्पादन किया जा रहा है और उनके द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों में सीडी-आर के सभी प्रकार शामिल हैं। आयातों में भी सभी प्रकार शामिल होते हैं और इस पूर्वानुमान का कोई आधार नहीं है कि ये आयात गैर-पाटित कीमतों पर होते हैं। यह भी तर्क दिया गया है कि सीडी-आर के सभी प्रकारों का प्रयोग पीसी एवं लैपटॉप में एक ही सीडी ड्राइव में एक-दूसरे के स्थान पर होता है। इस सीडी-आर पर लिखने अथवा उनको पढ़ने के लिए किसी विशिष्टीकृत ड्राइव की आवश्यकता नहीं होती है। अतः वे परस्पर प्रतिस्थापनीय हैं। केवल इसलिए कि विजिटिंग कार्ड सीडी-आर जैसे कुछ प्रकार सामान्य सीडी-आर के समान लोकप्रिय नहीं हैं, यह नहीं माना जा सकता है कि वे विचाराधीन उत्पाद नहीं हैं।

ग. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

9. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सीडी-आर के विभिन्न प्रकार हैं जिनमें प्रायः आकार तथा भंडारण क्षमता का अंतर होता है। जांच शुरुआत अधिसूचना में जांचाधीन उत्पाद का विवरण कॉम्पैक्ट डिस्क-रिकॉर्डेबल (सीडी-आर), राइट वन्स रीड मैनी टाइम्स (वर्म) के रूप में दिया गया है। हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि सीडी-आर के कुछ प्रकार विशिष्टीकृत हैं और इन प्रकारों का भारत में पाटन नहीं हो रहा है। तथापि, इन विशिष्ट प्रकारों का पाटन न होने का दावा करने के लिए उत्तर देने वाले निर्यातकों सहित किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई आँकड़ा प्रस्तुत नहीं किया गया है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि सभी सीडी-आर का एक-दूसरे के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है और वे परस्पर प्रतिस्थापनीय हैं। इन विभिन्न प्रकारों की उत्पादन प्रक्रिया में कोई प्रत्यक्ष अंतर नहीं है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि आकार तथा भंडारण क्षमता पर ध्यान दिए बिना सभी राइट वन्स रीड मैनी टाइम्स (वर्म) सीडी-आर नियमावली के नियम 2(घ) में परिभाषित शब्दावली के अर्थ के भीतर समान वस्तु है और तदनुसार, जांच शुरुआत अधिसूचना में अधिसूचित विचाराधीन उत्पाद की पुष्टि करते हैं।

10. यह उत्पाद आर्टीसी (एचएस) तथा सीमाशुल्क वर्गीकरण सं. 8523.90.50 के तहत वर्गीकृत है। तथापि, उपर्युक्त वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग की स्थिति

11. याचिका ऑप्टिकल डिस्क मैनुफैक्चरर्स वेलफेयर एसोसिएशन, नई दिल्ली (ओ डी एम ए) द्वारा दायर की गई है जिसमें भारत में संबद्ध वस्तु के 8 उत्पादक शामिल हैं। संबद्ध वस्तु के चार ओ डी एम ए के शेष चार सदस्यों ने याचिका को अपना समर्थन प्रदान किया है। अतः याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का कुल घरेलू उत्पादन करते हैं और नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की स्थिति के बारे में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है। अतः प्राधिकारी इस संबद्ध में अपने प्रारंभिक जांच परिणाम की पुष्टि करते हैं।

ङ. न्यूनतम सीमा

12. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राधिकारी को प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात न्यूनतम सीमा से अधिक रहा है।

च. अन्य निवेदन तथा उठाए गए मुद्दे

च. 1 व्यापार एवं उद्योग विभाग, हाँगकाँग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र सरकार

13. व्यापार एवं लघु उद्योग विभाग, हाँगकाँग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र सरकार ने दिनांक 12 अक्टूबर, 2006 के अपने निवेदन में अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका के अंगोपनीय अंश में पर्याप्त सूचना के अभाव का मुद्दा उठाया है। उन्होंने सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीनी ताइपेई से तीसरे देश के निर्यात आंकड़ों के इस्तेमाल का मुद्दा भी उठाया है। हाँगकाँग ने यह भी निवेदन किया है कि बाजार की कुल माँग में घरेलू बिक्री के हिस्से में मामूली गिरावट आई थी, जबकि घरेलू बिक्री में उल्लेखनीय और अत्यधिक वृद्धि हुई थी। भारतीय घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता सीमा में विस्तार होता रहा है। अवधि के दौरान कुल माँग और निर्यात बिक्री दोनों में अत्यधिक वृद्धि के कारण घरेलू बिक्री मात्रा में उल्लेखनीय वास्तविक वृद्धि होने के बावजूद तेजी से बढ़ती कुल माँग की तुलना में घरेलू बिक्री के हिस्से में गिरावट आई है। उन्होंने यह तर्क भी दिया है कि निवेश पर आय की दर उनके कारकों पर निर्भर होती है और यह तय करना कठिन है कि निवेश पर नकारात्मक आय, आयातों में उछाल के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप हुई है। उन्होंने आगे यह तर्क भी दिया है कि घरेलू बिक्री मात्रा से तुलना करने पर हाँगकाँग से सीडी-आर का कुल माँग में प्रतिशत हिस्सा अत्यंत कम है। अतः हाँगकाँग से आयातों को भारतीय बाजार में कीमत निर्धारक के बजाय केवल कीमत स्वीकारकर्ता माना जा सकता है। हाँगकाँग से उत्पादों की कीमत का, उत्पादों की बाजार कीमत पर प्रभाव, यदि कोई हो, तो मामूली होगा।

च. 2 घरेलू उद्योग के विचार

14. घरेलू उद्योग ने अपने निवेदनों में तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग में केवल एक उत्पादक अर्थात् मै. मोजर बेयर के पास सर्वाधिक हिस्सा है और अन्य उत्पादकों का हिस्सा बहुत अधिक नहीं है। अतः, घरेलू उद्योग के लिए संकलित आँकड़ों का प्रकटतः पर्याप्त रूप से मोजर बेयर के आँकड़ों को दर्शाएगा और मोजर बेयर पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

15. इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि उन्होंने निर्यातक देशों में सामान्य मूल्य का वह साक्ष्य उपलब्ध कराया है जो उनके पास "उचित रूप से उपलब्ध" था। यदि हाँगकाँग निर्धारित सामान्य मूल्य को अनुचित समझता है तो उसे इसके समर्थ में कुछ साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए था।

16. घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों पर हाँगकाँग की टिप्पणियों के बारे में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में बिक्री तथा बाजार हिस्से में स्पष्ट गिरावट आई है और इसलिए, हाँगकाँग की टिप्पणियां अनुचित हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया है कि भंडारण माध्यम के रूप में सीडी-आर अप्रचलित नहीं है और इसलिए हितवद्ध पक्षकारों का यह दावा कि भंडारण माध्यम क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय विकास से बिक्री आय में गिरावट आई है, किसी साक्ष्य द्वारा समर्थित नहीं है।

17. घरेलू उद्योग यह भी निवेदन करता है कि कुल आयतों और भारत में संबद्ध वस्तु की मांग में हाँगकाँग से आयातों का हिस्सा बहुत अधिक है। जिसे न तो कुल आय न ही कुल माँग के रूप में नगण्य नहीं माना जा सकता है। अतः, यह कहना अकल्पनीय है कि हाँगकाँग की कीमतें घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित नहीं करती हैं।

च. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

18. प्राधिकारी ने इन अनुरोधों को उनकी संगतता और सही साबित किए जाने की सीमा तक नोट किया है और इनमें उठाए गए मुद्दों की इन जांच परिणामों के उचित खंडों में जांच की गई है।

19. जहां तक क्षति संबंधी विभिन्न सूचना से संबंधित जानकारी के प्रकटन के बारे में हाँगकाँग द्वारा उठाए गए मुद्दों का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के लिए सूचना की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए इस सूचना को सूचीबद्ध रूप में उपलब्ध कराया गया है और इस सूचीबद्ध सूचना से प्रवृत्तियों के पर्याप्त संकेत मिलते हैं।

20. जहां तक पाटन के निर्धारण के मुद्दे का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऑप्टिकल डिस्क मेन्युफैक्चरिंग एण्ड टेक्नोलॉजीज एसोसिएशन लि. ने दिनांक 8 मई, 2006 को एक पत्र दाखिल किया था और यह अनुरोध किया कि वे हाँगकाँग में ऑप्टिकल डिस्क के 70% विनिर्माताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उक्त पत्र में उन्होंने अनुरोध किया कि पांच सूचीबद्ध निर्यातकों में से दो ने अपना व्यापार बंद कर दिया है और एक वर्ष 2001 के बाद से सीडीआरएस का कोई उत्पादन नहीं कर रहा है और अन्य दो कंपनियां हाँगकाँग की व्यापारिक कंपनियां हैं और उन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को सीडीआरएस का निर्यात नहीं किया है। तथापि उन्होंने उचित उत्तर देने के लिए अतिरिक्त समय हेतु अनुरोध किया था लेकिन समय दिए जाने के बाद भी उन्होंने कोई उत्तर नहीं दिया।

21. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. इलेक्ट्रॉनिक्स एण्ड मेनेटिक्स लि. को छोड़कर किसी अन्य पक्षकार ने निर्धारित प्रारूप एवं पद्धति के अनुसार पर्याप्त सत्यापन योग्य सूचना प्रस्तुत नहीं की है। मै. ट्रेंड ऑटोमेशन, मै. क्रिस्टल इक्विप्स और मै. लोक एंटरप्राइजेज ने जांच का विरोध करते हुए संक्षिप्त पत्र दाखिल किए हैं जिनमें जांच से संबंधित कोई आंकड़े या सूचना नहीं है। क्षति एवं कारणात्मक संबंध विश्लेषण के साथ-साथ, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में हाँगकाँग द्वारा उठाए गए मुद्दों की जांच प्राधिकारी द्वारा उस सीमा तक की गई है जहां तक वह वैध है और सक्ष्यों द्वारा समर्थित है।

छ. पाटन मार्जिन का निर्धारण

22. जैसाकि प्रारंभिक जांच परिणामों में रिकॉर्ड किया गया है संबद्ध देशों से केवल दो निर्यातकों, अर्थात् मै. इमेशन सिंगापुर पीटीई लि., सिंगापुर, और मै. फोशन नान्हाई पर्ल आडियो वीडियो कंपनी, चीन जन. गण. ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है।

छ. 1 मै. इमेशन सिंगापुर पी टी ई लि. सिंगापुर

23. मै. इमेशन सिंगापुर पीटीई लि. सिंगापुर, सिंगापुर से संबद्ध वस्तु के एक निर्यातक हैं और उनके पास अपनी कोई उत्पादन की सुविधा नहीं है। तथापि उन्होंने अपने समर्थक उत्पादक के ब्यौरे तथा उत्पादन लागत उपलब्ध नहीं कराई है। इस निर्यातक ने इस प्रयोजनार्थ निर्धारित ढंग एवं तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। तदनुसार, निर्यातक को दिनांक 24 जुलाई को एक ब्यौरेवार कमी संबंधी पत्र भेजा गया था जिसमें उनसे समर्थक विनिर्माता के आंकड़ों, यदि कोई हों, समेत निर्धारित ढंग एवं तरीके से प्रश्नावली का संशोधित उत्तर प्रस्तुत करने के लिए कहा गया था। तथापि निर्यातक ने उसका कोई उत्तर नहीं दिया है। उपलब्ध कराई गई अपर्याप्त सूचना के मद्देनजर जैसाकि प्रारंभिक जांच परिणामों में उल्लेख किया गया है इस निर्यातक को असहयोगी माना गया था। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस निर्यातक ने प्रारंभिक जांच परिणामों के उत्तर में कोई और सूचना या टिप्पणियाँ प्रस्तुत नहीं की हैं।

छ. 2 मै. फोशन नान्हाई पर्ल आडियो वीडियो कंपनी, चीन जन. गण.

24. मै. फोशन नान्हाई पर्ल आडियो वीडियो कंपनी, चीन जन.गण. (फोशन) चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तुओं की एक उत्पादक है जो मै. साउंड साउंड मल्टीमीडिया कंपनी, हाँगकाँग के जरिए भारत को इनका निर्यात करता है। यह देखा गया था कि प्रतिवादी ने वास्तविक निर्यातक अर्थात् मै. साउंड मल्टीमीडिया कंपनी, हाँगकाँग से प्राप्त कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। प्रतिवादी उत्पादक ने बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। उत्पादक द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के संबंध में अनेक अन्य कमियां भी नोट की गई हैं। अतः इस पक्षकार को दिनांक 24 जुलाई

को संबद्ध वस्तु के वास्तविक निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर के साथ निर्धारित ढंग एवं पद्धति से प्रश्नावली का उत्तर और दोनों के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर तथा उनके अनुरोधों के अगोपनीय अंश प्रस्तुत करने के लिए एक कमी संबंधी ब्यौरेवार पत्र जारी किया गया था। निर्यातक ने दिनांक 4 अगस्त, 2006 के पत्र द्वारा उपर्युक्त कमी संबंधी उत्तर दिया था। तथापि प्रतिवादी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का ब्यौरेवार उत्तर नहीं दिया है। फोशन द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के निर्यातक अर्थात् मै. साउंड साउंड मल्टीमीडिया कंपनी, हांगकांग ने प्रारंभिक जांच परिणाम के अधिसूचित होने से पहले कोई जवाब नहीं दिया। दिनांक 1 सितंबर, 2006 के अपने फैक्स द्वारा इस कंपनी ने यह सूचित किया कि वे अपना उत्तर दाखिल करेंगे और तत्पश्चात् इस निर्यातक ने हांगकांग में अपनी घरेलू बिक्रियों और भारत को निर्यात बिक्रियों का विवरण प्रस्तुत किया है। यह निर्यातक संबद्ध वस्तु का उत्पादक प्रतीत नहीं होता है और चीन में उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर के अनुसार इस निर्यातक को फोशन द्वारा विनिर्मित वस्तुओं का निर्यातक समझा गया है। तथापि निर्यातक ने पूरी प्रश्नावली का उत्तर तथा चीन में उत्पादक (फोशन) के साथ अपने संबंधों, उक्त कंपनी के साथ अपने सौदों के ब्यौरे तथा निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु अन्य संगत सूचना के संबंध में सूचना नहीं प्रस्तुत की है। निर्यातक द्वारा उसकी घरेलू बिक्रियों के संबंध में प्रदत्त आंकड़ों में हांगकांग में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उसकी उत्पादन लागत के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। चूंकि चीन में संबद्ध वस्तु के उत्पादक और हांगकांग में उसके सहयोगी निर्यातक द्वारा प्रदत्त आंकड़े अपूर्ण हैं और उनसे चीन और हांगकांग में सामान्य मूल्य के निर्धारण तथा चीन। हांगकांग से निर्यात कीमत के निर्धारण का कोई तर्कसंगत आधार नहीं बनता है, इसलिए प्राधिकारी इन आंकड़ों का प्रयोग करने में असमर्थ है। तदनुसार, इन उत्पादक-निर्यातन के संयोजन को इस जांच के प्रयोजनार्थ असहयोगी माना गया है।

25. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 6.8 में यह व्यवस्था है कि ऐसा मामला जहां कोई हितबद्ध पक्षकार जानकारी देने या अन्यथा तर्कसंगत अवधि के भीतर आवश्यक सूचना उपलब्ध कराने या जांच में महत्वपूर्ण रूप से बाधा डालता है तो प्राधिकारी इन मामलों में अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने निष्कर्ष दर्ज कर सकता है।

26. अनुबंध II के पैराग्राफ 1 के साथ पठित करार के अनुच्छेद 6.8 में यह व्यवस्था है कि जांच की शुरुआत होने के बाद जितनी जल्दी संभव हो, निर्दिष्ट प्राधिकारी को किसी हितबद्ध पक्षकार से अपेक्षित सूचना के ब्यौरों तथा वह तरीका जिसमें अपने उत्तर में हितबद्ध पक्षकार को सूचना तैयार करनी है, विनिर्दिष्ट करना चाहिए। प्राधिकारी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पक्षकार को इस बात की जानकारी है कि यदि तर्कसंगत समय के भीतर सूचना प्रस्तुत नहीं की गई तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा जांच की शुरुआत करने के आवेदन में दिए गए तथ्यों समेत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए मुक्त होंगे।

27. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के निर्यातकों और उनकी सरकारों को निर्धारित पद्धति एवं तरीके से सूचना प्रस्तुत करने की अपेक्षा के बारे में पर्याप्त ढंग से सूचित किया गया है और पक्षकारों को इस संबंध में अपने अनुरोध प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। अतः संबद्ध देश से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर संबद्ध देशों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण किया है।

(क) चीन जन. गण.

सामान्य मूल्य

28. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों में यह नोट किया था कि चीन जन.गण. के किसी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य संबंधी कोई उत्तर या सूचना नहीं दी है और न ही उपर्युक्त उल्लिखित निर्यातक द्वारा प्रस्तुत अपूर्ण उत्तर को छोड़कर किसी पक्षकार ने चीनी निर्यातकों के विरुद्ध गैर-बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मान्यता का खण्डन किया है। यद्यपि एकमात्र प्रतिवादी उत्पादक ने अपनी घरेलू बिक्रियों और उत्पादन लागत संबंधी ब्यौरे प्रस्तुत किए हैं तथापि यह उत्तर अपूर्ण है और बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी उत्तर प्रस्तुत नहीं किया गया है। उपर्युक्त के मद्देनजर यह उस देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए कोई तर्कसंगत आधार उपलब्ध नहीं करता है। तदनुसार प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराए गए चीन में घरेलू बाजार में सीडीआर के सौदा मूल्यों के लक्ष्यों को, अपने पास सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना मानते हुए, उनके आधार पर, चीन में सामान्य मूल्य का अंतिम रूप से निर्धारण किया है। तथापि, ऐसे सौदे चूंकि वितरक स्तर पर हुए हैं इसलिए कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य ज्ञात करने के लिए अंतर्देशीय भाड़े, भण्डारण और प्रहस्तन प्रभारों, वितरक के एसजीए और लाभ हेतु उचित समायोजन किए गए थे।

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन के किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस मुद्दे पर कोई और सूचना या अनुरोध प्रस्तुत नहीं किया है। अतः प्राधिकारी इस संबंध में अपने प्रारंभिक जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं। तदनुसार, चीन के सभी निर्यातकों के लिए सीडीआरएस का कारखाना द्वार पर सामान्य मूल्य ***** अम. डा. प्रति नग निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

30. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस मामले में एकमात्र चीनी उत्पादक द्वारा दिए गए उत्तर में भारत के संबंध में किसी वास्तविक निर्यात कीमत का उल्लेख नहीं किया गया है क्योंकि दी गई सूचना में हांगकांग में निर्यातक को उसकी बीजक संबंधी कीमत दर्शाई गई है। जैसाकि पहले उल्लेख किया गया था हांगकांग के निर्यातक ने उत्पादक के साथ अपने सौदों और भारत को किए गए निर्यातों के बारे में कोई विस्तृत सूचना उपलब्ध कराए बिना प्रारंभिक जांच परिणामों के जारी होने के बाद केवल एक अपूर्ण उत्तर दिया है। उपर्युक्त परिस्थितियों में इस निर्यातक के लिए भी अलग निर्यात कीमत निर्धारित करना संभव नहीं है। अतः प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर चीन से भारत औसत निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए

भारत को आयातों के आयात आंकड़ों को आधार माना है। चूँकि आयात संबंधी आंकड़ों में भारत को आयातों की सीआईएफ कीमत दी गई है, इसलिए कारखाना द्वार पर भारत औसत निवल निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के अनुसार प्रत्यक्ष बिक्री खर्चों के लिए उसे समायोजित करने के बाद किया गया है। तदनुसार कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत ***** अम. डा. प्रति नग निर्धारित की गई है।

पाटन मार्जिन

31. चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों के लिए भारत औसत पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए कारखाना द्वार स्तर पर भारत औसत कारखानागत सामान्य मूल्य और कारखाना द्वार स्तर पर इस प्रकार निर्धारित निर्यात कीमत की तुलना की गई है। तदनुसार चीन जन.गण. के सभी निर्यातकों का पाटन मार्जिन ***** अम.डा. प्रति नग 197% निर्धारित किया गया है।

(ख) सिंगापुर

32. जैसाकि प्रारंभिक जाँच परिणामों में नोट किया गया है सिंगापुर से केवल एक निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। तथापि उत्तर निर्धारित प्रारूप एवं पद्धति के अनुसार नहीं था और उसे अधिकांशतः अपूर्ण पाया गया था। तदनुसार दिनांक 24 जुलाई, 2007 के उत्तर पत्र द्वारा प्रतिवादी निर्यातक को कमियों के संबंध में बताया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने बताई गई कमियों को पूरा नहीं किया है। प्राधिकारी की जानकारी में यह बात लाई गई थी कि यह निर्यातक संबद्ध वस्तु का उत्पादक नहीं है और अन्य उत्पादकों द्वारा विनिर्मित वस्तुओं का निर्यात करता है। चूँकि निर्यातक ने ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिससे कोई सार्थक निर्धारण किया जा सके, इसलिए इस निर्यातक को इस जाँच के प्रयोजनार्थ असहयोगी माना गया है। तदनुसार अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी निम्नानुसार आग की कार्रवाई करते हैं:-

सामान्य मूल्य

33. चूँकि प्रतिवादी निर्यातक के आंकड़े अपूर्ण थे, इसलिए प्रारंभिक जाँच परिणामों के प्रयोजनार्थ कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य ज्ञात करने के लिए प्राधिकारी ने अंतर्देशीय भाड़े, भण्डारण और प्रहस्तन प्रभावों, वितरक के एसजीए और लाभ आदि के लिए उचित समायोजनों के बाद प्राधिकारी ने अपने पास उपलब्ध तथ्यों तथा आवेदक द्वारा सिंगापुर में घरेलू बाजार में सीडीआर के मौदा मूल्यों के संबंध में उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों पर विचार करते हुए अंतिम रूप से सिंगापुर में सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक ने प्रारंभिक जाँच परिणामों पर कोई टिप्पणी नहीं की है और किए गए अंतिम निर्धारण के संबंध में किसी हितवद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी के समक्ष कोई अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत नहीं की है। अतः प्राधिकारी सिंगापुर से सभी निर्यातकों के लिए सीडीआरएस का सामान्य मूल्य ***** अम. डा. प्रति नग मानते हुए अपने प्रारंभिक जाँच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

निर्यात कीमत

34. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. इमेशन, सिंगापुर ने जाँच अवधि के दौरान अपनी संबद्ध कंपनी मै. इमेशन इंडिया को किए गए निर्यातों के संबंध में कतिपय सूचना उपलब्ध कराई है। तथापि निर्यातक द्वारा दिए गए उत्तर को भारत को उनकी वस्तुविक निर्यात कीमत के किसी सार्थक निर्धारण की दृष्टि से बिल्कुल अपूर्ण पाया गया था। प्रारंभिक निर्धारण के बाद किसी हितवद्ध पक्षकार द्वारा प्राधिकारी के समक्ष कोई अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। अतः प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर सिंगापुर से भारत औसत निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए भारत के आयात आंकड़ों को आधार माना है। चूँकि आयात आंकड़ों में भारत को आयातों की सीआईएफ कीमत दी गई है इसलिए सिंगापुर से किसी सहयोगी निर्यातक से पूर्ण सूचना के अभाव में भारत औसत निवल कारखानागत निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़े और बीमा आदि के लिए समायोजनों के पश्चात् किया गया है। तदनुसार, कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत ***** अम.डा. प्रति नग निर्धारित किया गया है।

पाटन मार्जिन

35. व्यापार के समान स्तर पर भारत औसत निवल निर्यात कीमत की तुलना भारत औसत सामान्य मूल्य के साथ की गई है और सिंगापुर में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन ***** अम. डा. (87%) निर्धारित किया गया है।

(ग) चीनी ताइपेई

सामान्य मूल्य

36. प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच परिणामों में यह नोट किया था कि चीनी ताइपेई के निर्यातकों/उत्पादकों में से किसी ने भी निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई उत्तर या सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य ज्ञात करने के लिए अंतर्देशीय भाड़े, भण्डारण और प्रहस्तन व्ययों, वितरक के एसजीए और लाभ आदि के लिए आवेदकों द्वारा प्रस्तुत मौदा मूल्य के साक्ष्यों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य का अनुमान लगाया है। संबद्ध देश के किसी हितवद्ध पक्षकार ने उस देश में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु कोई अतिरिक्त सूचना प्रस्तुत नहीं की है। अतः प्राधिकारी सामान्य निर्धारण के संबंध में अपने निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और तदनुसार चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों हेतु सीडीआरएस का कारखाना द्वार सामान्य मूल्य ***** अम. डा. प्रति नग निर्धारित किया गया है।

निर्यात कीमत

37. चूँकि संबद्ध देश से किसी निर्यातक द्वारा प्राधिकारी के समक्ष कोई और सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है इसलिए प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर चीनी ताइपेई से भारत औसत निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए भारत को आयातों के आयात आंकड़ों को आधार माना है। चूँकि आयात आंकड़ों में भारत को हुए आयातों की सीआईएफ कीमत दी गई है, इसलिए भारत औसत निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण कारखाना द्वार निर्यात कीमत की गणना हेतु उपलब्ध तथ्यों के आधार पर, उसे अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा और बीमा आदि हेतु समायोजित करने के बाद किया गया है। तदनुसार कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण ***** अम. डा. प्रति नग के रूप में किया गया है।

पाटन मार्जिन

38. पाटन मार्जिन जो चीनी ताइपेई के सभी निर्यातकों के लिए ***** अमरीकी डालर प्रति पी सी (79%) बनता है का निर्धारण करने के लिए कारखानागत सामान्य मूल्य की व्यापार के समान स्तर पर निर्धारित सामान्य मूल्य से की गई है।

(घ) हांगकांग**सामान्य मूल्य**

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग से किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सामान्य मूल्य के संबंध में कोई जवाब नहीं दिया है। इसलिए प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर सामान्य मूल्य ज्ञात करने के लिए सामान्य मूल्य का अनुमान अंतर्देशीय भाड़े, भण्डारण और प्रहस्तन व्ययों, वितरक का एसजीए और लाभ आदि के लिए उचित समायोजनों के पश्चात् आवेदकों द्वारा सौदा मूल्य के संबंध में प्रस्तुत साक्ष्य के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है।

40. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग के एक निर्यातक अर्थात् मै. साउंड-साउंड मल्टीमीडिया डेवलपमेंट लि., जो मै. फोशन नान्हाई पर्ल ऑडियो वीडियो कंपनी, चीन जन. गण. (फोशन) की एक संबद्ध कंपनी है ने हांगकांग में संबद्ध वस्तु की अपनी बिक्रियों और भारत को निर्यातों का एक विवरण प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हांगकांग से यह निर्यातक संबद्ध वस्तु का विनिर्माता नहीं है और वह भारत को निर्यातों के लिए चीन से इसका आयात करता है। प्रस्तुत किए गए उत्तर में इस संबंध में कि क्यों हांगकांग में बेची गई वस्तुएं भी चीनी मूल की हैं और उत्पादन लागत तथा संबंधित लागतों के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। अतः प्रस्तुत उत्तर बिल्कुल अपूर्ण पाया गया है और इनमें सामान्य मूल्य का चीन और हांगकांग से निर्यात कीमत के किसी सार्थक निर्धारण हेतु पर्याप्त सत्यापन योग्य सूचना नहीं दी गई है। तदनुसार इस जाँच के प्रयोजनार्थ इस सूचना को अस्वीकार किया गया है।

41. प्राधिकारी ने व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार के दिनांक 12 अक्टूबर, 2006 के अभ्यावेदन में दिए गए उन तर्कों को भी नोट किया है जिनमें बताया गया है कि संबद्ध उत्पादों का सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए आवेदकों द्वारा प्रयुक्त सूचना भी तुर्की को सीडीआरएस के निर्यात के हांगकांग के एक सौदे संबंधी "प्रोफोर्मा बीजक" की एक प्रति पर आधारित है, प्रतिनिधि सूचना नहीं है क्योंकि तुर्की को सीडीआरएस के हांगकांग के निर्यातों की मात्रा का हांगकांग के निर्यातों में काफी कम हिस्सा बनता है। हांगकांग के पास सीडीआरएस का एक विस्तृत घरेलू बाजार है। यह तर्क दिया गया है कि डब्ल्यूटीओ पाटनरोधी करार के अनुबंध 11 के पैराग्राफ 7 में यह व्यवस्था है कि "यदि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य से संबंधित निष्कर्षों समेत अपने निष्कर्षों के लिए जांच की शुरुआत हेतु आवेदन में दी गई सूचना समेत गौण स्रोतों से प्राप्त सूचना को आधार मानना है तो ऐसा उन्हें विशेष सावधानी बरतते हुए करना चाहिए। ऐसे मामलों में, प्राधिकारी को, जहां व्यवहार्य हो, अपने पास उपलब्ध अन्य स्वतंत्र स्रोतों जैसे प्रकाशित कीमत सूचियों, आधिकारिक आयात आंकड़ों और सीमाशुल्क विवरणों तथा जांच के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त सूचना से जांच करना चाहिए।" यह भी तर्क दिया गया है कि हांगकांग मुक्त व्यापार नीति अपनाता है और किसी उद्योग को कोई व्यापार विकृतिकारी सब्सिडी प्रदान नहीं करता है। अर्थव्यवस्था और प्रतिस्पर्धी माहौल को देखते हुए हांगकांग के उत्पादकों के लिए पाटन संबंधी कार्यकलापों में शामिल होना स्वाभाविक रूप से असंभव है।

42. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि अनुबंध 11 के पैराग्राफ 1 में यह व्यवस्था है कि जांच की शुरुआत के बाद जितनी जल्दी संभव हो जांचकर्ता प्राधिकारियों को किसी पक्षकार से अपेक्षित विस्तृत सूचना और हितबद्ध पक्षकार द्वारा अपने उत्तर में उस सूचना को तैयार करने की पद्धति को विनिर्दिष्ट करना चाहिए। प्राधिकारी को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि पक्षकारों को इस बात की जानकारी हो कि यदि एक तर्कसंगत अवधि के भीतर सूचना नहीं दी जाती है तो प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा जांच की शुरुआत हेतु आवेदन में दिए गए तथ्यों सहित उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण करने के लिए स्वतंत्र होंगे। उक्त अनुबंध के पैराग्राफ 7 में यह भी व्यवस्था है कि "यदि प्राधिकारी को सामान्य मूल्य से संबंधित निष्कर्षों समेत अपने निष्कर्षों के लिए जांच की शुरुआत हेतु आवेदन में दी गई सूचना समेत गौण स्रोतों से प्राप्त सूचना को आधार मानना है तो ऐसा उन्हें विशेष सावधानी बरतते हुए करना चाहिए। ऐसे मामलों में, प्राधिकारी को, जहां व्यवहार्य हो, अपने पास उपलब्ध अन्य स्वतंत्र स्रोतों जैसे प्रकाशित कीमत सूचियों, आधिकारिक आयात आंकड़ों और सीमाशुल्क विवरणों तथा जांच के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त सूचना से जांच करनी चाहिए।"

43. इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग के निर्यातकों को पाटन की मात्रा, यदि कोई हो, की जांच हेतु संगत आंकड़े प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। ऑप्टिकल डिस्क मैन्यूफैक्चरिंग एण्ड टेक्नॉलाजीज एसोसिएशन लि. ने सूचना प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय हेतु अनुरोध किया था लेकिन वह ऐसा करने में विफल रही थी। व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार से उस देश में सामान्य मूल्य के युक्तिसंगत निर्धारण हेतु संगत सूचना उपलब्ध करवाने के लिए हांगकांग के निर्यातकों से आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। तथापि उस देश में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसी कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है जिसका सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्राधिकारी द्वारा तर्कसंगत ढंग से प्रयोग किया जा सके। व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र की सरकार ने उस देश के निर्यातकों की ओर से एक केवल सामान्य अनुरोध दाखिल किया है जिसमें उस देश में संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत/निर्यात कीमत के बारे में कोई सूचना या आंकड़े नहीं दिए गए हैं। अतः प्राधिकारी के पास उस देश में उत्पाद के सामान्य मूल्य के सत्यापन का कोई व्यवहारिक साधन नहीं था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदन में दी गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य के अनुमानों का प्रकटन अगोपनीय अंश में किया गया था और यह हितबद्ध पक्षकारों का उत्तरदायित्व है कि वे सत्यापन योग्य सूचना के साथ इन आंकड़ों के विरुद्ध तर्क प्रस्तुत करें। ऐसी किसी सूचना तथा हांगकांग में बिक्री कीमत का सत्यापन करने के किसी अन्य तर्कसंगत साधन के अभाव में हांगकांग में सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए आवेदकों द्वारा उनके आवेदनों में प्रदत्त सूचना को आधार माना गया है।

44. तदनुसार, हांगकांग से सभी निर्यातकों के लिए अपने प्रारंभिक जांच परिणामों में निर्धारित सामान्य मूल्य अर्थात् ***** अम. डा. प्रति नग की पुष्टि करते हैं।

निर्यात कीमत :

45. हांगकांग से किसी सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने कारखाना द्वार स्तर पर हांगकांग से भारत औसत निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए भारत को आयातों के आयात संबंधी आंकड़ों को आधार माना है। चूंकि आयात संबंधी आंकड़े भारत को आयातों की सीआईएफ कीमत दी गई है इसलिए भारत औसत निवल कारखाना द्वार निर्यात कीमत का निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतर्देशीय परिवहन, समुद्री भाड़ा और बीमा आदि के लिए समायोजनों के बाद किया गया है। तदनुसार कारखाना द्वार स्तर पर निवल निर्यात कीमत का निर्धारण ***** अम. डॉ. प्रति नग के रूप में किया गया है।

पाटन मार्जिन

46. पाटन मार्जिन जो हांगकांग के सभी निर्यातकों के लिए ***** अमरीकी डालर प्रति पी सी (79%) बनता है, का निर्धारण करने के लिए कारखानागत सामान्य मूल्य की व्यापार के समान स्तर पर निर्धारित सामान्य से तुलना की गई है।

छ: 3 पाटन मार्जिन का सारांश

देश	निर्यातक	सामान्य मूल्य अम.डॉ./नग	निर्यात कीमत अम.डॉ./नग	पाटन मार्जिन अम.डॉ./नग	पाटन मार्जिन %
चीन जन.गण.	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	197%
सिंगापुर	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	87%
हांगकांग	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	72%
चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	*****	*****	*****	79%

47. इस प्रकार निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक और न्यूनतम सीमा से अधिक है।

5. क्षति निर्धारण

48. व्यापार एवं उद्योग विभाग, विशेष हांगकांग प्रशासनिक क्षेत्र सरकार ने अपने प्रारंभिक जांच परिणामों से बाद के निवेदनों जैसा कि पूर्ववर्ती खंडों में दर्ज किया गया है, में घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी दावों और प्राधिकारी द्वारा निर्धारण के संबंध में कतिपय मुद्दे उठाए हैं। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार द्वारा घरेलू उद्योग के क्षति दावों के संबंध में कोई टोस तर्क नहीं दिया गया है। उपर्युक्त हितबद्ध पक्षकारों के विचारों को रिकार्ड पर लिया गया है और इनकी क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के अंतिम निर्धारणार्थ जांच की गई है।

ज.1 क्षति का संघयी आंकलन

49. प्रारंभिक जांच परिणामों में प्राधिकारी ने यह माना था कि इस मामले में क्षति संघयी आंकलन उपयुक्त है क्योंकि संबंध देशों से अलग-अलग उत्पादों के निर्यात आपस में और भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग पेश की गई समान वस्तु के साथ सीधे प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

50. व्यापार एवं उद्योग विभाग, हांगकांग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र सरकार ने प्रारंभिक जांच परिणामों से बाद के अपने निवेदनों में यह तर्क दिया है कि हांगकांग से सीडीआर घरेलू बिक्री मात्रा से तुलना करने पर कुल मांग का केवल कुल छोटा सा प्रतिशत हिस्सा था। अतः हांगकांग से आयात भारतीय घरेलू बाजार में एक कीमत मार्गदर्शक के बजाय केवल एक कीमत लेने वाला है। हांगकांग से उत्पादों की कीमत का उत्पादों की बाजार कीमत पर न्यूनतम प्रभाव, यदि कोई हो, होना चाहिए।

51. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 11(iii) में यह अपेक्षित है कि जहां एक से अधिक देशों से किसी उत्पाद के आयातों की एक साथ पाटनरोधी जांच की जा रही हो, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे आयातों का संचयी रूप से आकलन करेंगे यदि वह निर्धारित करते हैं कि :

- (i) अलग-अलग देशों से आयात निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक हैं अथवा संचयी रूप से आयातों के 7% से अधिक हैं;
- (ii) अलग-अलग देशों के विरुद्ध पाटन मार्जिन 2% से अधिक है; और
- (iii) आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन उपर्युक्त है।

52. प्राधिकारी ने उपर्युक्त सभी मानदंडों की जांच की है और उनका यह निष्कर्ष है कि सभी स्त्रोतों से पाटित आयातों के कारण होने वाली क्षति संचयी आकलन हेतु इस मामले में उपर्युक्त शर्तों को पूरा किया गया है। हांगकांग सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार द्वारा यह सिद्ध करने के लिए कि उपर्युक्त विनिर्दिष्ट शर्तों में से किसी भी शर्त को पूरा नहीं किया गया है, प्राधिकारी के समक्ष कोई अतिरिक्त वास्तविक प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः प्राधिकारी क्षति से संचयी आकलन के संबंध में अपने जांच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

ज. 2 क्षति की जांच एवं कारणात्मक संबंध

53. अनुबंध-II के साथ पाटित पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति निर्धारण में उन कारकों की जांच करना शामिल होगा जिनसे घरेलू उद्योग की क्षति का संकेत मिल सकता है "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं हेतु घरेलू बाजार में कीमतों पर उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं सहित सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए". कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करने में इस बात की जांच करना आवश्यक समझा गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों में अन्यथा एक अत्यधिक मात्रा तक कमी करना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा एक महत्वपूर्ण सीमा तक हो गई होती।

54. पाटित आयातों के भारत के घरेलू उद्योग पर प्रभाव की जांच के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध 11 के अनुसार विचार किया गया है।

55. प्राधिकारी नोट करते हैं कि रिलायंस इंडस्ट्रीज मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णय के अनुसार क्षति निर्धारण और क्षति रहित कीमत का निर्धारण समग्र घरेलू उद्योग के लिए करना अपेक्षित होता है। यह आवेदन ऑप्टिकल डिस्क मेन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन जिसमें भारत में संबद्ध वस्तु के 8 ज्ञात विनिर्माता शामिल हैं की ओर से किया गया है। इन 8 उत्पादकों में से 5 उत्पादकों जो कुल उत्पादन के लगभग 93 प्रतिशत हिस्से का उत्पादन करते हैं, ने आवेदन के आवेदक और समर्थक के रूप में लागत और क्षति संबंधी अपनी सूचना प्रस्तुत है। शेष तीन उत्पादकों को भी लागत एवं क्षति संबंधी अपने आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा गया था जिन्हें वे उपलब्ध कराने में असफल रहे हैं। इन उत्पादकों की लागत एवं क्षति संबंधी सूचनाएं सार्वजनिक क्षेत्र में भी उपलब्ध नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ये तीन उत्पादक अलग-अलग और सामूहिक रूप से घरेलू उत्पादन के बहुत थोड़े हिस्से का उत्पादन करते हैं और इसलिए इन उत्पादकों के आंकड़ों का एनआईपी की गणना और क्षति मानदंडों पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ता। तदनुसार, प्राधिकारी ने क्षति एवं एनआईपी के निर्धारणार्थ आवेदकों के आंकड़ों के अनुसार आगे की कार्रवाई की है।

56. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक कारकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि जैसा कि ऊपर दर्शाया गया है, की निम्नानुसार जांच की गई है :-

ज. 2.1 पाटित आयातों के मात्रा संबंधी प्रभाव: आयात मात्राएं एवं बाजार हिस्से

(क) आयात मात्राएं

57. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी के लिए यह विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के संबंध में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

58. प्रारंभिक जांच परिणामों में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा का असंबद्ध उत्पादों के आंकड़ों की छंटई करके डीजीसीआई एंड एस के आंकड़ों में रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के आधार पर अंतिम रूप से विश्लेषण किया गया था। तथापि, घरेलू उद्योग ने प्रारंभिक जांच परिणामों के बाद के अपने निवेदनों में तर्क दिया है कि उन्होंने डीजीसीआईएस आंकड़ों में रिपोर्ट की गई आयात मात्राओं और द्वितीयक स्त्रोतों में दी गई आयात मात्राओं के बीच अत्यधिक अंतर होने के कारणों अपने आवेदन में इम्पेक्स स्टैटिस्टिक्स सर्विसेज

द्वारा संकलित आंकड़ों पर निर्भर किया है। यह तर्क दिया गया है कि पीओआई और क्षति अर्वाध के लिए डीजीसीआईएस आंकड़ों से कई सौदों के धिरुद्ध उत्पाद के गलत वर्गीकरण और गलत विवरण के कारण इम्पेक्स स्टेटिस्टिक्स सर्विसेज में रिपोर्ट किए गए आंकड़ों की तुलना में आयातों की अत्यधिक क्रय मात्रा का पता चलता है।

59. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा इम्पेक्स स्टेटिस्टिक्स सर्विसेज और डीजीसीआईएस आंकड़ों में प्रस्तुत किए सौदे-वार आयात आंकड़ों की जांच की है। यह मालूम होता है कि इम्पेक्स आंकड़ों में रिपोर्ट किए गए अनेक सौदों को डीजीसीआईएस आंकड़ों में रिपोर्ट नहीं किया गया है जिसके परिणामस्वरूप आंकड़ों में अत्यधिक असंगति उत्पन्न हुई है। अतः विभिन्न स्रोतों में पाटित आयातों की मात्रा और कीमत प्रभावों का निर्धारण करने के लिए इम्पेक्स स्टेटिस्टिक्स के आंकड़ों में रिपोर्ट के लिए सौदे-वार आंकड़ों पर विश्वास किया गया है।

60. आयात आंकड़े निम्नानुसार हैं :-

	2002-03	2003-04	2004-05	मात्रा : नग में जांच अवधि
चीन	5409925	25694061	110676681	169682332
हाँगकाँग	1958000	9310146	17068698	31552658
सिंगापुर	7052780	12587466	20914150	14067625
ताईवान	48413167	56753410	73026729	102625202
कुल संबद्ध देश	62833872	104345083	221686258	317927817
प्रवृत्ति	100	166	353	506
अन्य देश	1858795	15548334	14441814	20058006
प्रवृत्ति	100	836	777	1079
कुल आयात	64692667	119893417	236128072	337985823
प्रवृत्ति	100	185	365	522
संबद्ध देशों का हिस्सा	97%	87%	94%	94%
अन्य देशों का हिस्सा	3%	13%	6%	6%

61. उपर्युक्त आंकड़ों से यह संकेत मिलता है कि क्षति जांच अवधि के दौरान कुल आयातों और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों में लगभग 400% की अत्यधिक वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा इस अवधि के दौरान कुल आयातों का 94% है और इसलिए यह संकेत मिलता है कि अन्य स्रोतों से आयात नगण्य है और आयातों में समूची बढ़ोतरी के लिए संबद्ध देशों से आयात जिम्मेदार हैं। कुल आयातों में संबद्ध देशों से आयातों का अलग-अलग हिस्सा बहुत अधिक है और न्यूनतम स्तर से अधिक है। जांच अवधि के दौरान हाँगकाँग का भारत को हुए कुल आयातों का 9% हिस्सा था इसलिए इस संबंध में हाँगकाँग का तर्क वैध नहीं है।

(ख) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग पर वास्तविक संभावित प्रभाव

62. घरेलू उत्पादन की मात्रा तथा घरेलू उद्योग के घरेलू प्रचालन पर पाटित आयातों के प्रभाव की घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा घरेलू बिक्री के रूप में जांच की गई। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादकों में से एक उत्पादक निर्यातानुख इकाई है तथा घरेलू उद्योग का घरेलू उत्पादन संगत नीति के अनुसार घरेलू बिक्री हकदारियों का ध्यान में रखते हुए परिकल्पित किया गया है। घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री की तुलना इस हकदारी आधारित घरेलू उत्पादन से की गई है।

उत्पादन बिक्रियां एवं बाजार हिस्सा	2002-03 मात्रा (संख्या)	2003-04 मात्रा (संख्या)	2004-05 मात्रा (संख्या)	जांच अवधि मात्रा (संख्या)
संस्थापित क्षमता	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	182	200	194
उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	188	237	234
घरेलू बाजार हेतु उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	295	439	293
क्षमता उपयोग (%)	78%	80%	93%	94%
प्रवृत्ति	100	103	119	121
घरेलू बिक्री	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	226	353	323

63. आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि यद्यपि घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन तथा क्षमता उपयोग उच्च रही है तथा इसमें आधार वर्ष की तुलना में सुधार हुआ है तथापि, घरेलू बाजार के लिए इसके उत्पादन तथा घरेलू बाजार में बिक्री में 2004-05 में सुधार के पश्चात् अत्यधिक गिरावट आई है।

ग. बाजार हिस्से पर वास्तविक संभावित प्रभाव

64. घरेलू बिक्री तथा बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभावों की निम्नानुसार जांच की गई है :-

मात्रा नग में	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
कुल आयात	64692667	119893417	236128072	337985823
प्रवृत्ति	100	185	365	522
घरेलू बिक्री	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	225.67	353	307
कुल मांग	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	213	357	387
मांग में हिस्सा				
संबद्ध देश	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	78	99	131
अन्य देश	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	393	218	279
घरेलू उद्योग	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	106	99	83

65. जहां घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की मांग में लगभग 287% की वृद्धि हुई है वहीं कुल मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से में आधार वर्ष की तुलना में 11% की गिरावट आई, जबकि पाटित आयातों के हिस्से में 10% की वृद्धि हुई जो यह दर्शाती है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा तथा बाजार हिस्से पर अत्यधिक प्रभाव पड़ा है। अतः हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क सही मालूम नहीं होता है कि बाजार हिस्से में मामूली गिरावट हुई है।

ज. 2.2 पाटित आयातों के कीमत प्रभाव

66. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से इस बात पर विचार करने की अपेक्षा की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा अत्यधिक कीमत कटौती की गई है, अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को अत्यधिक कम करना है अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा एक पर्याप्त स्तर पर पहुंच गई होती। प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से सीआईएफ आयात कीमत निम्नानुसार रही है :-

सीआईएफ कीमतें (रु./नग)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
चीन	4.82	4.37	3.76	3.20
हाँगकाँग	5.31	4.44	3.45	3.34
सिंगापुर	6.73	5.81	3.90	3.74
ताइवान	5.51	5.69	4.24	3.71
कुल संबद्ध देश	5.58	5.26	3.91	3.40
प्रवृत्ति	100	94	70	61
अन्य देश	7.37	6.55	4.67	4.33
सभी देशों का जोड़	5.63	5.43	3.96	3.46

67. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की सीआईएफ आयात कीमत में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 40% से अधिक की गिरावट आई है।

ज. 2.3 कीमत कटौती, मंदी एवं ह्रास

68. अधिकारी ने करों तथा शुल्कों, छूटों, कटौतियां तथा कमीशन और भाड़ा एवं परिवहन को छोड़कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली का निर्धारण किया। आयातों के पहुंच मूल्य का निर्धारण 1% पहुंच मूल्य तथा लागू सीमाशुल्क के साथ भारत औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार करके किया गया है।

(रु./नग)	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
प्रति इकाई बिक्री लागत	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	94.41	81.4	82.76
बिक्री कीमत	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	105.68	66.49	63.68
पहुंच मूल्य				
चीन	5.36	4.82	3.99	3.32
हाँगकाँग	5.90	4.89	3.66	3.46
सिंगापुर	7.48	6.41	4.14	3.87
ताईवान	6.12	6.27	4.50	3.84
कुल संबद्ध देश	6.20	5.80	4.15	3.52
प्रवृत्ति	100	94	67	57
कीमत कटौती				
चीन जन. गण.	*****	*****	*****	40-50%
हाँगकाँग	*****	*****	*****	35-45%
सिंगापुर	*****	*****	*****	20-30%
चीनी ताईपेई	*****	*****	*****	20-30%
कुल संबद्ध देश	*****	*****	*****	30-40%
एनआईपी				*****
कम कीमत पर बिक्री				
चीन जन. गण.				130-135%
हाँगकाँग				120-130%
सिंगापुर				110-120%
चीनी ताईपेई				110-120%
कुल संबद्ध देश				120-130%

69. यद्यपि उत्पादन की लागत में लगभग 17% की गिरावट आई है तथापि, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री वसूली में क्षति अवधि के दौरान लगभग 36% की गिरावट आई है जैसा कि उपर्युक्त तालिका में प्रदर्शित है। संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य में लगभग 43% तक की गिरावट आई है। संबद्ध देशों से आयातों की कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री अत्यधिक है।

ज. 2.4 कीमत मंदी एवं ह्रास

70. घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के कीमत न्यूनीकरण प्रभाव की जांच करने हेतु घरेलू उद्योग की बिल बिक्री वसूली की प्रवृत्ति की उत्पादन की लागत से तुलना की गई है। आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि यद्यपि जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के उत्पादन की लागत में गिरावट आई है तथापि, बिक्री वसूली में गिरावट, उत्पादन की लागत में गिरावट की तुलना में अत्यधिक उच्च है। इसलिए यह प्रतीत होता है कि पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के कारण घरेलू उद्योग को अपने बाजार हिस्से को बनाए रखने के लिए अपनी कीमतों को कमतर रखने पर बाध्य होना पड़ा।

71. उपर्युक्त विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि पाटित आयातों से घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों की मात्रा में वृद्धि के रूप में निरपेक्ष रूप से एवं बाजार हिस्से तथा घरेलू बाजार की कीमतों में ह्रास करके एवं इसके बाजार हिस्से का क्षरण करके दोनों रूपों में प्रतिकूल मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव पड़ा है।

ज. 3 अन्य क्षतिकारी कारकों की जांच

72. कुछेक क्षतिकारी कारकों अर्थात् बिक्री एवं बाजार हिस्से में वास्तविक एवं संभावित गिरावट; पूर्ववर्ती खंड में आयातों की मात्रा आदि में वास्तविक एवं संभावित वृद्धि की जांच करने के पश्चात् प्राधिकारी ने अन्य अनिवार्य क्षतिकारी मानदंडों की निम्नानुसार जांच की है :-

(क) क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री

73. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार रहा है :-

उत्पादन एवं क्षमता उपयोग	2002-03	2003-04	2004-05	मात्रा नग में जांच अवधि
घरेलू उद्योग की क्षमता	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	182	200	194
कुल उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	188	237	234
क्षमता उपयोग	78%	80%	93%	94%
प्रवृत्ति	100	103	119	121
घरेलू बिक्री हकदारी	*****	*****	*****	*****
घरेलू उत्पादन	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	295	439	293
घरेलू बिक्री	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	226	353	323
हकदारी के % के रूप में बिक्री		90%	84%	65%

74. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की क्षमता में वर्ष 2003-04 में अत्यधिक वृद्धि हुई तथा इसके पश्चात् क्षमता में बहुत मामूली वृद्धि हुई। निर्यात के लिए आश्रयित उत्पादन सहित घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन में 2002-03 तथा 2003-04 के बीच क्षति अवधि के दौरान लगभग 88% की वृद्धि हुई तथा इसके पश्चात् उत्पादन में वृद्धि अगले तीन वर्षों में केवल 45% रही। उच्चतर उत्पादन के परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में भी वृद्धि हुई। तथापि, भले ही कुल उत्पादन में वृद्धि हुई घरेलू बिक्री में पिछले वर्ष में वृद्धि दर्शाने के बाद जांच अवधि में अत्यधिक गिरावट आई। घरेलू बिक्री के उत्पादन में भी पूर्ववर्ती वर्ष में सुधार के पश्चात् अत्यधिक गिरावट प्रदर्शित हुई है यद्यपि घरेलू मांग में आधार वर्ष में लगभग 287% की वृद्धि प्रदर्शित होती है। घरेलू बाजार में बिक्री में हकदारी के प्रतिशत के रूप में घरेलू बिक्री में जांच अवधि में 65% की तुलना में वर्ष 2004-05 में 90% तक गिरावट हुई है।

(ख) लाभ/हानि तथा निवेश से आय

75. घरेलू उद्योग द्वारा घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से अर्जित लाभ निम्नानुसार था :-

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
बिक्री की औसत घरेलू लागत	रुपये प्रति इकाई	-	-	-
औसत घरेलू बिक्री कीमत	रुपये प्रति इकाई	-	-	-
लाभ/हानि	रुपये प्रति इकाई	-	(....)	(-)
प्रवृत्ति	100	262	(142)	(202)
घरेलू निवेश	रुपये	-	-	-
घरेलू निवेश के संबंध में निवेश पर आय	रुपये	-	(-)	(-)
निवेश पर आय	-	-	(-)	(-)
[आरओआई]%	%	-	-	-
प्रवृत्ति	100	226	(77)	(137)

1957 95/07-6

76. उपर्युक्त आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि समग्र उत्पादन तथा बिक्री में वृद्धि एवं उत्पादन लागत में गिरावट के बावजूद घरेलू बिक्री कीमतों में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को घरेलू बिक्री में घाटा होना शुरू हो गया है। आधार वर्ष में प्रति यूनिट सकारात्मक लाभ मार्जिन से जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को घरेलू बिक्री पर निवल घाटा हुआ है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए घरेलू निवेश पर आय आधार वर्ष में 3.61% धनात्मक आय से घटकर जांच अवधि में 5% ऋणात्मक आय हो गई है।

(ग) रोजगार तथा मजदूरी

77. कर्मचारियों की संख्या तथा अदा की गई मजदूरी से ज्ञात होता है कि उत्पादन में वृद्धि के कारण रोजगार में भी वृद्धि हुई है, जो क्षमता वर्धन के अनुरूप है। मजदूरी भी आधार वर्ष की तुलना में लगभग 13% बढ़ गई, जो घरेलू उद्योग पर मजदूरी के बोझ के अनुपात से अधिक वृद्धि नहीं दर्शाती।

संख्या	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
रोजगार (जनशक्ति)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	176	236	258
औसत मजदूरी प्रति व्यक्ति	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	101	105	113
प्रति व्यक्ति प्रति दिवस औसत मजदूरी	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	101	105	113

(घ) वस्तु सूची

78. घरेलू उद्योग की वस्तु सूची की स्थिति, घरेलू उद्योग द्वारा उल्लेखनीय इन्वेंटरी होल्डिंग दर्शाती है। यद्यपि निर्यात कार्यकलाप में वृद्धि के कारण औसत स्टॉक में कमी आ गई है।

संख्या में वस्तु सूची	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
प्रारंभिक स्टॉक	*****	*****	*****	*****
अंतिम स्टॉक	*****	*****	*****	*****
औसत स्टॉक	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	35	70	74
दैनिक बिक्री की संख्या के संदर्भ में औसत स्टॉक	*****	*****	*****	*****

(छ) नकद प्रवाह

79. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का नकद लाभ निम्नानुसार रहा है :-

रुपये	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
कुल नकद लाभ	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	200	66	30
घरेलू बिक्री पद नकद लाभ	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	325	110	1
घरेलू बिक्री के संबंध में प्रति इकाई नकद लाभ	*****	*****	*****	*****
कुल	100	144	31	1

80. यह देखा जा सकता है कि क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग के नकद लाभ में अत्यधिक गिरावट आई है।

(ज) उत्पादकता

81. घरेलू उद्योग की उत्पादकता की जांच प्रति दिवस तथा प्रति कर्मचारी उत्पादन के संदर्भ में निम्नानुसार दी गई है।

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
कुल उत्पादन (नग)	*****	*****	*****	*****
दैनिक उत्पादन (नग)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	188	237	234
कर्मचारियों की संख्या	*****	*****	*****	*****
प्रति कर्मचारी उत्पादकता (पीसीएस)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	107	100	91

82. रोजगार स्तर में वृद्धि के कारण यद्यपि प्रति कर्मचारी उत्पादकता में मामूली गिरावट आई है, तथापि घरेलू उद्योग की दैनिक उत्पादकता में वृद्धि हुई है।

(झ) वृद्धि

83. यद्यपि क्षमता, उत्पादन, बिक्री तथा उत्पादकता जैसे मानदंडों के रूप में घरेलू उद्योग की वृद्धि सकारात्मक रही, तथापि बाजार हिस्से, नकद लाभ, नकद प्रवाह तथा निवेश की दृष्टि से यह ऋणात्मक रही।

(ट) नए निवेश बढ़ाने की क्षमता

84. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान, विस्तार हेतु नया उद्योग पूंजीगत निवेश किया है तथापि, निवेश प्रति वर्ष घटता रहा है। तथापि यह पाया गया है कि घरेलू उद्योग के अंतिम कार्य निष्पादन में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे निवेश बढ़ाने की इसकी क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।

निवेश	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
विस्तार हेतु पूंजीगत निवेश (रुपए)	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	72	44	32

ज. 3 समग्र आकलन

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हांगकांग के तर्क कि घरेलू उद्योग के निष्पादन में अनेक कारकों में सुधार हुआ है और कुछेक मानकों में मामूली गिरावट आई है, के आधार पर वास्तविक क्षति का निर्धारण नहीं किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति की मौजूदगी दर्शाने वाले कारकों का ऊपर किया गया प्रारंभिक विश्लेषण यह दर्शाता है कि क्षमता तथा उत्पादन में सुधार उत्पादन लागत में कमी तथा उत्पादकता में सुधार के बावजूद घरेलू बिक्री में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, जबकि घरेलू बाजार में उत्पादों की अच्छी मांग है, निवल बिक्री से आय कम है, सूची की मात्रा अधिक है, निवेश पर आय तथा लाभ ऋणात्मक है। हुई क्षति वास्तविक तथा अत्यधिक है।

(झ) कारणात्मक संबंध

86. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति तथा इसकी कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, मूल्यहास तथा अवमूल्यन प्रभावों के रूप में इसकी कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा तथा कीमत के प्रभावों को जांच के उपरान्त प्राधिकारी ने यह भी जांच की कि क्या भारतीय नियमावली पाटनरोधी करार के तहत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक मानदंडों का भी घरेलू उद्योग को हुई क्षति में कोई योगदान नहीं रहा है। अतः निम्नलिखित मानदंडों की भी जांच की गई।

(क) तीसरे देशों से आयात : जांच के दायरे में न आने वाले देशों से जांच अवधि के दौरान केवल 6% के कुल आयात हुए हैं। ये आयात या तो मामूली हैं अथवा संबद्ध देशों की आयात कीमतों से अधिक कीमत के हैं और इसलिए घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित नहीं करते हैं;

(ख) मांग संकुचन : क्षति की जांच की अवधि में संबद्ध वस्तुओं की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अतः मांग में हुए संभावित संकुचन को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता;

(ग) खपत की पद्धति : किसी भी हितबद्ध पक्ष ने खपत की पद्धति में किसी उल्लेखनीय परिवर्तन का आरोप नहीं लगाया है। तथ्यतः संपूर्ण जांच अवधि के दौरान उत्पाद की मांग में वृद्धि विशेष उल्लेखनीय नहीं रही है।

(घ) प्रतिस्पर्धा की शर्तें: वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं। आवेदक संबंध वस्तुओं के प्रमुख उत्पादक हैं और उनका घरेलू उत्पादन में लगभग 100% योगदान है। अतः घरेलू प्रतिस्पर्धा को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। प्रतिस्पर्धा की शर्तों तथा व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई अन्य प्रमाण भी प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है।

(ङ) प्रौद्योगिकी में विकास : हांग-कांग ने तर्क दिया है कि सूचना प्रौद्योगिकी में संबंधित उत्पादों की कीमत में गिरावट आना, वैश्विक बाजार की एक सामान्य प्रवृत्ति है। स्टोरेज मीडिया इंडस्ट्री के प्रौद्योगिकीय विकास और अन्य प्रतिस्थापनीय उत्पादों जैसे मेमोरी कार्ड और पोर्टेबल हार्ड ड्राइव की उपलब्धता के कारण जो कम कीमतों पर भी उपलब्ध हो जाती है, वैश्विक बाजार में सीडी-आर की बिक्री कीमत में कमी दृष्टिगोचर हो रही है। अतः घरेलू बाजार में संबद्ध विशिष्ट वस्तुओं की कीमत में कमी का कारण, हांग-कांग के विशिष्ट उत्पादों के मामले में, केवल अथवा मुख्यतः आयातों को नहीं माना जा सकता है। घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि एक स्टोरेज मीडिया के रूप में सीडी-आर अब तक चलन में है और इसलिए हितवद्ध पक्षकारों का यह दावा कि स्टोरेज मीडिया क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय विकास से बिक्री वसूली में गिरावट आई है, किसी साक्ष्य द्वारा संभावित नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी हितवद्ध पक्षकार द्वारा यह साबित करने के आंकड़ों में प्रदर्शित होती है और यह गिरावट अन्य प्रतिस्पर्धी उत्पादों से प्रौद्योगिकीय प्रतिस्पर्धा के कारण हुई है, कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए हैं।

(च) घरेलू उत्पाद का निर्यात निष्पादन :

	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
निर्यात	*****	*****	*****	*****
प्रवृत्ति	100	167	197	222

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्री उल्लेखनीय है और उसमें उल्लेखनीय प्रदर्शित होती है। परन्तु क्षति अवधि में निर्यात से लाभप्रदता में भी गिरावट आई है। तथापि, क्षति विश्लेषण की दृष्टि से घरेलू तथा निर्यात बाजारों की कीमत एवं लाभप्रदता को अलग-अलग रखा गया है। तथापि, कंपनी के निर्यात कार्य निष्पादन के कारण क्षति, यदि कुछ हो, जो पाटित आयातों का कारण नहीं माना गया है।

(छ) उत्पादकता : कुल उत्पादन के रूप में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है। अतः इसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं माना जा सकता।

87. उपर्युक्त गैर-कारणात्मक विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के अलावा अन्य किसी भी कारक ने प्रभावित नहीं किया है।

ज. 4.1 कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

88. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का विश्लेषण दर्शाता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में भारी गिरावट आई है। अतः निम्नलिखित कारणों के आधार पर पाटित आयातों तथा घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध स्थापित होते हैं :-

1. पाटित आयात कीमतों और उसके परिणामतः संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत में तेजी से गिरावट आई जिसकी परिणति अत्यधिक कीमत कटौती के रूप में हुई। प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग कीमतें घटाने के लिए बाध्य हुआ।
2. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कमी किए जाने से कंपनी के लाभ, नकदी प्रवाह तथा निवेशजनित आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।
3. यद्यपि, आयात कीमतों में गिरावट का घरेलू उद्योग ने मुकाबला किया, तथापि, अत्यधिक सकारात्मक कीमत कटौती परिणाम संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि के रूप में हुआ। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।
4. माँग में वृद्धि और घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री कीमतों में कमी के बावजूद आयातों की पहुंच कीमत में काफी कमी होने के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई। इससे घरेलू उद्योग का विकास बाधित हुआ।

89. अतः प्राधिकारी अन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और यह क्षति संबद्ध देशों/क्षेत्रों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

झ. क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

90. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। संबद्ध देशों से निर्यातों की भारत औसत पहुंच कीमत और क्षति मार्जिनों का परिकलन निम्नानुसार किया गया है :-

उत्पाद	देश	निर्यातक	क्षति मार्जिन प्रति नग	% क्षति मार्जिन
सीडीआर	चीन जन. गण.	सभी निर्यातक	*****	130-135%
सीडीआर	सिंगापुर	सभी निर्यातक	*****	120-130%
सीडीआर	हाँगकाँग	सभी निर्यातक	*****	110-120%
सीडीआर	चीनी ताइपेई	सभी निर्यातक	*****	110-120%

ट. निष्कर्ष:

91. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे और किए गए निवेदनों तथा इस जांच परिणाम में दर्ज किए गए प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच के बाद प्राधिकारी अन्तिम रूप से यह निष्कर्ष निकालते हैं कि-

- संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु भारतीय बाजार में उस कीमत पर दाखिल हुई हैं जो निर्यातक देशों के घरेलू बाजारों में उनके सामान्य मूल्य से कम है;
- संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु का पाटन मार्जिन माफी अधिक है और न्यूनतम से अधिक है;
- घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और उसे यह क्षति संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमत दोनों प्रकार के प्रभावों के कारण हुई है।

ट. भारतीय उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

92. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आमतौर पर पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन घरेलू उद्योग को पाटन की अनुचित व्यापार प्रथा से हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों को लागू करने से संबंध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

ठ. सिफारिशें

93. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच प्रारंभ करने के बाद सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था। और पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलू पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। निर्धारित नियमों के अनुरूप पाटन, क्षति तथा पाटन एवं घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की प्रारंभिक जांच शुरू करने एवं उसे पूरा करने और संबद्ध देशों के विरुद्ध सकारात्मक पाटन मार्जिन निर्धारित करने और यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है, प्राधिकारी का यह मत है कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति को रोकने के लिए निश्चयात्मक उपाय लागू करना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हुए नीचे दिए गए रूप एवं पद्धति में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात पर अन्तिम पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करते हैं।

94. प्राधिकारी द्वारा अनुपालन किए जा रहे निम्न शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन से कम के बराबर अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति समाप्त हो सके। तदनुसार संबद्ध देशों/क्षेत्रों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संलग्न शुल्क तालिका के कॉलम 9 में दर्शायी गयी राशि के समतुल्य अन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की जाती है। उपर्युक्त के अध्यक्षीन दिनांक 28 अगस्त, 2006 द्वारा अधिसूचित जांच परिणाम की एतद्वारा पुष्टि की जाती है।

ड. आगे की प्रक्रिया:

95. इस सिफारिश के परिणामस्वरूप केंद्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई अपील; इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क और सेवा शुल्क अपीलीय न्यायाधिकरण में की जा सकेगी।

1957 9707-5

96. प्राधिकारी अधिनियम के संगत प्रावधानों और इस संबंध में समय-समय पर जारी सार्वजनिक सूचनाओं, के अनुसार इस निश्चयात्मक उपाय को जारी रखने, इसमें परिवर्तन करने या इसको समाप्त करने जैसा इसमें अनुशंसित है, की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा कर सकते हैं। प्राधिकारी द्वारा ऐसी समीक्षा के लिए कोई भी अनुरोध उम स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा यदि यह अनुरोध किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय सीमा के भीतर नहीं किया गया हो।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	उप शीर्ष अथवा टैरिफ	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	8523.90.50	कॉम्पैक्ट डिस्क-(सी डीआर) राइट्स वन्स रीड मेनी टाइम्स	कोई भी	चीन जन.गण	चीन जन.गण	कोई भी	कोई भी	0.099	नग	अम.डॉ.
2	-वही-	-वही-	-वही-	चीन जन.गण	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	0.099	नग	अम.डॉ.
3	-वही-	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	चीन जन.गण	कोई भी	कोई भी	0.099	नग	अम.डॉ.
4	-वही-	-वही-	-वही-	सिंगापुर	सिंगापुर	कोई भी	कोई भी	0.068	नग	अम.डॉ.
5	-वही-	-वही-	-वही-	सिंगापुर	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	0.068	नग	अम.डॉ.
6	-वही-	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	सिंगापुर	कोई भी	कोई भी	0.068	नग	अम.डॉ.
7	-वही-	-वही-	-वही-	हाँगकाँग	हाँगकाँग	कोई भी	कोई भी	0.050	नग	अम.डॉ.
8	-वही-	-वही-	-वही-	हाँगकाँग	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	0.050	नग	अम.डॉ.
9	-वही-	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	हाँगकाँग	कोई भी	कोई भी	0.050	नग	अम.डॉ.
10	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	चीनी ताइपेई	कोई भी	कोई भी	0.061	नग	अम.डॉ.
11	-वही-	-वही-	-वही-	चीनी ताइपेई	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	कोई भी	कोई भी	0.061	नग	अम.डॉ.
12	-वही-	-वही-	-वही-	संबद्ध देशों के अतिरिक्त कोई अन्य देश	चीनी ताइपेई	कोई भी	कोई भी	0.061	नग	अम.डॉ.

क्रिस्टी एल. फेर्नान्डेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd April, 2007

FINAL FINDINGS

Sub: Anti-Dumping Investigation involving import of Compact Discs-Recordable (CD-Rs) from China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei.

F.No. 14/15/2005-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, (hereinafter referred to as the Rules) thereof;

2. Whereas on the basis of an application filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi (hereinafter referred to as the applicants) before the Designated Authority (hereinafter referred to as this Authority), in accordance with the Act, and Rules, alleging dumping of Compact Discs-Recordable (CD-Rs) (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei (referred to as subject countries), the Authority issued a public notice dated 4th April, 2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries in accordance with the sub-Rule 5(5) of the Rules to determine the existence, degree and effect of alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry;

3. And whereas the Authority notified its preliminary findings on 28th August recommending imposition of provisional anti-dumping duty on the import of subject goods originating in or exported from the subject countries. Governments of India, acting upon such recommendations of the Authority, imposed provisional duty *vide* notification No. 105/2006-Customs dated 6th October, 2006.

A. PROCEDURE

4. Procedure described below has been followed with regard to this investigation after issuance of the preliminary findings by the Authority.

- (i) The Designated Authority sent copies of preliminary findings dated 28th August, 2006 to all interested parties before the Authority and provided an opportunity to file their comments and make their views known in writing within 40 days of the said notification. The comments of the interested parties, to the extent they are relevant and supported by evidence, have been considered by the Authority in this finding.
- (ii) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (iii) The Authority held a public hearing on 15.02.2007 to provide an opportunity to all interested parties to make their submissions orally before the Authority. However, none of the other interested parties, except the domestic industry, participated in the said public hearing.
- (iv) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (v) The confidentiality claims of various interested parties in respect of the data submitted by them have been examined. The information, which is by nature confidential or which has been provided on a confidential basis by the interested parties, alongwith non-confidential summary thereof, has been treated confidential *** in this finding represents information furnished by the domestic industry on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- (vi) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts under consideration of the Authority and the basis of determination proposed to be adopted were disclosed to known interested parties as general disclo-

tures and confidential disclosures to parties involved *vide* disclosure statement dated 15th March, 2007. The views of the interested parties, to the extent they are relevant and supported by evidence, have been considered by the Authority in these findings.

- (vii) Investigation was carried out for the period starting from 1.10.2004 to 30.9.2005 (POI).
- (viii) This finding has been prepared taking into account all material facts place before the Authority by the interested parties, to the extent they are relevant to this investigation and supported by verifiable evidence. For the sake of brevity the issues and arguments already dealt in the preliminary findings, to the extent they have not been challenged by the interested parties; have not been repeated in this finding.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

5. As mentioned in the preliminary findings the product under consideration in this investigation is Compact Discs-Recordable (CD-Rs). CD-R is a polycarbonate disc containing a spiral groove on one side to guide the laser beam for writing and reading information. The disc is coated on the side with the spiral groove with a very thin layer of vegetable-based organic dye and subsequently with a thin, reflecting layer of silver, a silver alloy or gold. Finally, a protective coating of a photo-polymerizable lacquer is applied on top of the metal reflector and cured with UV-irradiation. Recording on such a disc can be done only once and therefore, the disc is said to be of the type 'WORM' (Write Once Read Many times). The disc is an optical storage medium for digital data or music.

C.1. Views of other interested parties

6. M/s. Allied Electronics & Magnetic Limited, in its written submissions *vide* fax dated 17th February, 2007, has argued that the product Compact Disc Recordable (CD-R) is a generic name and besides the most popular types named CD-R 700 MB/80 minutes (regular CD-Rs), following other specialized CD-R products are also covered under the broad category of CD-Rs :

CDR 800 MB/90 Minutes
Mini CDR (8 Min)
Visiting Card CD-Rs

7. It has been argued that these products are specialized in nature and their requirements are not very high compared to the regular CD-Rs and there is no dumping of these specialized CD-Rs. It has also been argued that only a limited number of Indian manufacturers produce these products and data submitted by the domestic industry covers only regular CD-Rs. In view of the above, it has been argued that such specialized CD-Rs should be excluded from the anti-dumping duty.

C.2 Views of Domestic Industry

8. Responding to the above claims of the interested parties the domestic industry has argued that these remarks of the interested parties are unsubstantiated and therefore, should not be accepted. It has been submitted that the domestic industry has been producing all four varieties of CD-Rs and the data submitted by them covers all the types of CD-Rs. The Imports also cover all the types and there is no basis to presume that these imports are at un-dumped prices. It has also been argued that all types of CD-Rs are used inter-changeably in the same CD drives in PCs and laptops. No specialized drives are required to either writing or reading them. Therefore, they are *inter se* substitutable. Merely because some types like visiting card CD-Rs are not as popular as regular CD-Rs, it cannot be held that they do not constitute the product under consideration.

C.3 Examination by the Authority

9. The Authority notes that there are various types of CD-Rs mostly differentiated by their sizes and storage capacities. The initiation notification described the product being investigated as Compact Discs-Recordable (CD-Rs), Write Once Read Many times (WORM). The interested parties have argued that certain types of the CD-Rs are specialized in nature and there is no dumping of these types in India. However, no data has been provided by any interested party, including the responding exporters to claim no dumping of these specific types. The domestic industry has argued that all CD-Rs have inter-changeable uses and can be *inter se* substituted. There is no apparent difference in production process of these different types. Therefore, the Authority holds that all Write Once Read Many times (WORM) CD-Rs, irrespective of their sizes and storage capacities, are like articles within the meaning of the term as defined Rule 2(d) of the Rules and accordingly, confirms the product under consideration as notified in the preliminary findings.

10. The product is classified under ITC (HS) and Customs Classification No. 8523.90.50. However, the above classification is indicative only and is no way binding on the investigation.

D. STANDING OF THE DOMESTIC INDUSTRY

11. The application has been filed by Optical Disc Manufacturers Welfare Association, New Delhi (ODMA), comprising of 8 producers of the subject goods in India. Four producers of the subject goods and members of ODMA have joined the application as the applicants and other four members of ODMA have supported the petition. The petitioner, therefore, accounts for complete production of subject goods in India and constitute domestic industry within the meaning of the Rules. The Authority notes that no argument has been made by any interested party regarding the standing of the domestic industry. Therefore, the Authority confirms its preliminary findings in this respect.

E. De Minimis Limits

12. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources as provided by the domestic industry, the imports of the subject goods from the subject countries are above the de minimis level.

F. OTHER SUBMISSIONS AND ISSUES RAISED

F.1 Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region

13. Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region, in its representation dated 12th October, 2006 has *inter alia* raised the issues of lack of sufficient information in the non-confidential version of application filed by the domestic industry. They have also raised the issue of use of third country export data from Chinese Taipei for the purpose of determination of normal value. Hong Kong has also submitted that there was only a mild decline in the share of the domestic sales in the total demand of the market, whereas the domestic sales increased remarkably and significantly. Indian domestic industry has been expanding and approaching its production capacity limit. The significant increase in both the total demand and export sale in the period had caused the share of domestic sale declining relative to the fast increasing total demand despite the fact that domestic sale volume has actually increased remarkably. They have also argued that the rate of return on investment depends on a number of factors and it is difficult to conclude that the negative return of investment is a direct result of the surge of imports. They have further argued that CD-R from Hong Kong only accounted for a small percentage of the total demand when compared to the domestic sales volume. Therefore, imports from Hong Kong could only be a price taker rather than a price leader in the Indian domestic market. The price of the products from Hong Kong should have minimal influence, if any, on the market price of the products.

F.2 Views of the domestic industry

14. The domestic industry, in its submissions, has argued that in the domestic industry, only one producer, i.e. M/s. Moser Baer holds a predominant share and share of the other producers is not significant. Therefore, disclosure of aggregate numbers for the domestic industry would substantially reflect the data of Moser Baer and would bring in adverse effects on Moser Baer.

15. The domestic industry has further argued that they provided the evidence of normal value in the countries of export 'as was reasonably available' to them. If Hong Kong considers the normal value determined as inappropriate, it should have presented some evidence in support thereof.

16. With regards to the comments of Hong Kong on the injury claims of the domestic industry, the domestic industry has argued that there is a clear decline in sales and market shares in the POI compared to the base year and therefore, the comments of Hong Kong are misplaced. They have also argued that CD-R as a storage media is not obsolete and therefore, the claim of the interested parties that technological development in the storage media sector has lead to decline in sales realization, are not supported by any evidence.

17. The domestic industry also submits that the imports from Hong Kong constitutes a very significant proportion of total import and demand of the subject goods in India, which cannot be treated as negligible either in terms of total imports or total demand. Therefore, it is inconceivable to state that Hong Kong prices do not affect the prices of the domestic industry.

F.3 Examination by the Authority

18. The Authority has taken note of these submissions to the extent they are relevant and substantiated and the issues raised have been examined in appropriate sections in this findings.

1957 5707-6

19. As far as issue raised by Hong Kong regarding disclosure of information on various injury information, is concerned, the Authority notes that the information has been provided in indexed manner keeping in view the sensitivity of the information involved for the domestic industry and such indexed information provides adequate indication of the trends.

20. As far as issue of dumping determination is concerned, the Authority notes that Optical Disc Manufacturing and Technologies Association Ltd. filed a letter dated 8th May, 2006 and submitted that they represent 70% of the optical disc manufacturers in Hong Kong. In the said letter they submitted that among five listed exporters two have ceased their business and one is not producing any CD-Rs since 2001, and the other two are the trading companies in Hong Kong and they have not exported CD-Rs to India during the POI. However, they requested for additional time to file a proper response but failed to file any response even after time was granted.

21. The Authority notes that no other interested party has filed any substantial verifiable information in the form and manner prescribed, except M/s. Allied Electronics and Magnetics Limited, M/s. Trend Automation, M/s. Crystal Impex and M/s. Lok Enterprises filed brief letters opposing the investigation without any data or information in respect of the investigation. The issues raised by Hong Kong in respect of injury and causal links have been examined by the Authority alongwith the injury and causal link analysis to the extent they are valid and supported with evidence.

G. Determination of Dumping Margin

22. As recorded in the preliminary findings only two exporters from the subject countries, namely M/s. Imation Singapore Pte Ltd., Singapore; and M/s. Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR have filed questionnaire responses.

G.1 M/s. Imation Singapore Pte Ltd., Singapore

23. M/s. Imation Singapore Pte Ltd., Singapore is an exporter of the subject goods from Singapore without any production facility of its own. However, they have not provided the details and the cost of production of their supporting producer. This exporter has not filed the questionnaire response in the form and manner prescribed for this purpose. Accordingly, a detailed deficiency letter was sent to the exporter on 24th July calling for a revised questionnaire response in the form and manner prescribed, including the data of the supporting manufacturer, if any. However, the exporter has not filed any reply to the same. In view of insufficient information provided, this exporter was treated as non-cooperative as recorded in the preliminary findings. The Authority also notes that this exporter has not filed any further information or comments in response to the preliminary findings.

G.2 M/s. Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR

24. M/s. Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR (Foshan) is a producer of the subject goods in China PR exporting the same to India through M/s. Sound Sound Multimedia Company, Hong Kong. It was noticed that the respondent has not filed any response from the actual exporter i.e., M/s. Sound Sound Multimedia Company, Hong Kong. The responding producer has also not filed any response to the market economy questionnaire. Several other deficiencies in respect the data submitted by the producer was also noticed. Therefore, a detailed deficiency letter was issued to this party on 24th July to submit the questionnaire response in the form and manner prescribed alongwith the questionnaire response of the actual exporter of the subject goods and market economy response in respect of both and non-confidential version of their submissions. This exporter filed a reply to the above deficiency vide letter dated 4th August, 2006. However, the responding producer failed to file detailed market economy questionnaire response. The exporter of the subject goods, produced by Foshan, i.e., M/s. Sound Sound Multimedia Company, Hong Kong, did not file any response before notification of the preliminary findings. Vide their fax dated 1st September, 2006 this company intimated that they would be filing their response and subsequently this exporter filed statements of its domestic sales in Hong Kong and export sales to India. This exporter does not appear to be the producer of the subject goods and as per the response filed by the producers in China, this exporter is supposed to be exporting the goods manufactured by Foshan. However, the exporter failed to file complete questionnaire response and submit information about its relationship with the producer in China (Foshan), details of its transactions with the said company and other relevant information for determination of export price. The data provided by this exporter on its domestic sales also do not provide any information about its cost of production for determination of normal value in Hong Kong. Since the data provided by the producer of the subject goods in China and its associated exporter in Hong Kong are incomplete and do not provide any reasonable means of determination of normal value in China and Hong Kong or export price from China/Hong Kong, the Authority is unable to use this data. Accordingly, this producer-exporter combination has been treated as non-cooperative for the purpose of this investigation.

25. The Authority notes that Rule 6.8 of the antidumping Rules provide that in a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it.

26. Article 6.8 of the Agreement read with paragraph 1 of Annex II provides that as soon as possible after the initiation of the investigation, the investigating authorities should specify in detail the information required from any interested party, and the manner in which that information should be structured by the interested party in its response. The authorities should also ensure that the party is aware that if information is not supplied within a reasonable time, the authorities will be free to make determinations on the basis of the facts available, including those contained in the application for the initiation of the investigation by the domestic industry.

27. The Authority notes that the exporters in the subject countries and the respective Governments have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to the parties to make their submissions in this regard. Therefore, in the absence of cooperation from the subject countries the authority has determined the dumping margins in respect of the subject countries on the basis of facts available.

(a) China PR

Normal Value

28. The Authority noted in the preliminary findings that none of the exporters/producers from China PR has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire or rebutted the non-market economy presumption against Chinese exporters except the incomplete response filed by the exporter named above. Though the lone responding producer has filed the details of its domestic sales and cost of production, the response was incomplete and market economy response has not been filed. In view of the above the response did not permit any reasonable basis for determination of the normal value in that country. Accordingly, for the purpose of the preliminary finding, the authority had provisionally estimated the normal value in China taking into account the evidence of transaction value of CDR in domestic market in China provided by the applicants as the best facts available with the Authority. However, such transaction prices being at distributor level appropriate adjustments towards inland freight, storage and handling expenses, distributor's SGA and profit were applied to work out the normal value at the ex-factory level.

29. The Authority notes that none of the interested parties in China has filed any further information or submission on the issue. Therefore, the Authority confirms its preliminary findings in this respect. Accordingly, the ex-works Normal Value of CDRs for all exporters from China has been determined as US\$***** per Pc.

Export Price

30. The Authority also notes that the response filed by the lone Chinese producer in this case does not provide any actual export price to India as the information submitted shows its invoice price to the exporter in Hong Kong. As recorded earlier, the exporter in Hong Kong has filed only a partial response after the preliminary findings were issued, without providing any detailed information about its transactions with the producer and exports to India. Under the above circumstances it is not possible to determine separate export price for this exporter also. Therefore, the Authority has relied upon the import statistics of imports to India to work out weighted average export price from China at ex-works level. Since the import statistics provide the CIF price of imports to India, weighted average net ex-factory export price has been determined after adjusting the same for direct selling expenses as per facts available. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been determined as US\$***** per Pc.

Dumping Margin

31. Weighted average ex-works normal value and export prices so determined at ex-works level have been compared at the ex-works level to determine the weighted average dumping margin for all exporters from China PR. Accordingly, dumping margin of all exporters from China PR has been determined as US\$***** per Pc (197%).

(b) SINGAPORE

32. As recorded in the preliminary findings only one exporter from Singapore has filed a questionnaire response. However, the response was not in the form and manner prescribed and was found to be incomplete in most of the respects. Accordingly, deficiencies were communicated to the responding exporter *vide* letter dated 24 July, 2007. The Authority notes that the exporter has not complied with the deficiencies communicated. It has been brought to the notice of the Authority that this exporter is not a producer of the subject goods and exports goods manufactured by other producers. Since the exporter has not provided any information that can make any meaningful determination possible, the said

exporter has been considered as non-cooperative for the purpose of this investigation. Accordingly, for the purpose of the final determination the Authority proceeds as follows :

Normal Value

33. Since the responding exporter's data was not complete, for the purpose of the preliminary finding, the authority had provisionally estimated the normal value in Singapore taking into account the evidence of transaction value of CDR in domestic market in Singapore provided by the applicants as the facts available with the Authority after allowing for appropriate adjustments towards inland freight, storage and handling expenses, distributor's SGA and profit etc. to work out the normal value at the ex-factory level. The Authority notes that the exporter has not commented on the preliminary findings and no additional information has been placed before the Authority by any interested party in respect of the provisional determination made. Therefore, the Authority confirms its preliminary finding in respect of Normal Value of CD-Rs for all exporters from Singapore as US\$*****per Pc.

Export Price

34. The Authority notes that M/s. Imation Singapore has provided certain information on its exports to its related Company, M/s Imation India during the POI. However, the response filed by the exporter was found to be grossly incomplete for any meaningful determination of their actual export price to India. No additional information has been placed before the Authority by any interested party after the preliminary determination. Therefore, the Authority has relied upon the import statistics of imports to India to work out weighted average export price from Singapore at ex-works level. Since the import statistics provide the CIF price of imports to India, weighted average net ex-factory export price has been determined after allowing for adjustments towards inland transportation, ocean freight and insurance etc. on facts available basis, in the absence of complete information from any cooperative exporter from Singapore. Accordingly, net-export price at the ex-factory level has been determined as US\$*****per Pc.

Dumping Margins

35. The weighted average net export price has been compared with the weighted average normal value at the same level of trade, and the dumping margins for the producers/exporters of the subject goods in Singapore has been determined as US\$***** (87%).

(c) CHINESE TAIPEI

Normal Value

36. The Authority noted in the preliminary findings that none of the exporters/producers from Chinese Taipei has provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. Therefore, for the purpose of the preliminary determination the Authority had estimated the normal value based on facts available as per the evidence of transaction value produced by the applicants with appropriate adjustments towards inland freight, storage and handling expenses, distributor's SGA and profit have etc. to work out the normal value at the ex-factory level. No additional information has been placed by any interested party from the subject country for determination of normal value in that country. Therefore, the Authority confirms its findings in respect of the normal determination and accordingly, the ex-works Normal Value of CD-Rs for all exporters from Chinese Taipei has been determined as US\$*****Per Pc.

Export Price

37. Since no further information has been placed before the Authority by any exporter from the subject country the Authority has relied upon the import statistics of imports to India to work out weighted average export price from Chinese Taipei at ex-works level. Since the import statistics provide the CIF price of imports to India, weighted average net ex-factory export price has been determined after adjusting the same for inland transportation, ocean freight and insurance etc. based on the facts available to arrive at ex-works export price. Accordingly, net export price at the ex-factory level has been determined as US\$ *****per Pc.

Dumping Margin

38. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to US\$***** per Pc (79%) for all exporters from Chinese Taipei.

(d) HONG KONG

Normal Value

39. The Authority noted in the preliminary findings that none of the exporters/producers from Hong Kong had provided any response or information on the normal value as per the prescribed questionnaire. Therefore, for the

purpose of the preliminary determination the Authority had estimated the normal value based on facts available as per the evidence of transaction value produced by the applicants after applying appropriate adjustments towards inland freight, storage and handling expenses, distributor's SGA and profit etc. to work out the normal value at the ex-factory level.

40. The Authority notes that one exporter from Hong Kong, i.e., M/s. Sound Sound Multi-Media Development Ltd., a related exporter of M/s Foshan Nanhai Pearl Audio Video Company, China PR (Foshan), filed a statement of its domestic sales of the subject goods in Hong Kong and exports to India. The Authority also notes that this exporter from Hong Kong is not a manufacturer of the subject goods and imports the same from China for exports to India. The response filed does not provide any information whether the goods sold in Hong Kong are also of Chinese origin and the cost of production and associated costs. Therefore, response filed has been found to be grossly incomplete and does not provide adequate verifiable information for any meaning determination of normal value or export price from China as well as Hong Kong. Accordingly, the information has been rejected for the purpose of this investigation.

41. The Authority also notes the arguments of the Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region, in its representation dated 12th October 2006 that the information used by the applicants to establish the normal value of the subject products based on a copy of a "proforma invoice" on one transaction of Hong Kong export of CD-Rs to Turkey is not representative as the volume of Hong Kong's exports of CD-Rs to Turkey accounted for a very small portion of Hong Kong exports. Hong Kong has a substantial domestic market of CD-Rs. It has been argued that paragraph 7 of Annex II of the WTO AD Agreement stipulates that "[I]f the authorities have to base their findings, including those with respect to normal value, on information from a secondary source, including the information supplied in the application for the initiation of the investigation, they should do so with special circumspection. In such cases, the authorities should, where practicable, check the information from other independent sources at their disposal, such as published price lists, official import statistics and customs returns, and from the information obtained from other interested parties during the investigation." It has also been argued that Hong Kong adopts free trade policy and provides no trade-distorting subsidy to any industry. Given the economy and competitive environment, it is inherently impossible for Hong Kong producers to engage in dumping activities.

42. Authority also notes that paragraph 1 of Annex II provides that as soon as possible after the initiation of the investigation, the investigating authorities should specify in detail the information required from any interested party, and the manner in which that information should be structured by the interested party in its response. The authorities should also ensure that the party is aware that if information is not supplied within a reasonable time, the authorities will be free to make determinations on the basis of the facts available, including those contained in the application for the initiation of the investigation by the domestic industry. Paragraph 7 of the said annex also provides that if the Authorities have to base their findings, including those with respect to normal value, on information from a secondary source, including the information supplied in the application for initiation of the investigation, they should do with special circumspection. In such cases, the Authorities should, where practicable, check the information from other independent sources at their disposal, such as published price list, official import statistics and customs returns, and from the information obtained from other interested parties during the investigation.

43. In this connection, the Authority notes that the exporters from Hong Kong were given adequate opportunity to provide relevant data for examination of the degree of dumping, if any. Optical Disc Manufacturing and Technologies Association Ltd., requested for additional time to file information but failed to do so. Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region was also requested to urge the exporters from Hong Kong to provide relevant information for a reasonable determination of the Normal Value in that country. However, none of the interested parties in that country has filed any information that can be reasonably used by the Authority for determination of normal value. Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region has filed only a general submission on behalf of the exporters from that country without providing any information or statistics about the selling price/export price of the subject goods in that country. Therefore, the Authority did not find any practical means of verifying the normal value of the product in that country. The Authority notes that the estimates of normal value based on the information contained in the application was disclosed in the non-confidential version and it was the responsibility of the interested parties to counter this data with verifiable information. In the absence of any such information and any other reasonable means of verifying the selling price in Hong Kong, the information provided by the applicants in their application has been relied upon for determination of the normal value in Hong Kong.

44. Accordingly, the Authority confirms the normal value determined in its preliminary finding for all exporters from Hong Kong as US\$***** per PC.

195747-7

Export Price

45. In the absence of any cooperation from Hong Kong the Authority has relied upon the import statistics of imports to India to work out weighted average export price from Hong Kong at ex-works level. Since the import statistics provide the CIF price of imports to India, weighted average net ex-factory export price has been determined after allowing for adjustments towards inland transportation, ocean freight and insurance etc. based on the facts available basis. Accordingly, net export price at the ex-factory level has been determined as US\$ ***** per PC.

Dumping Margin

46. The ex-works normal value has been compared with the normal value so determined at the same level of trade to determine the dumping margin which works out to US\$***** Per PC (79%) for all exporters from Hong Kong.

G.3 Dumping Margin Summary

Country	Exporter	Normal Value US\$/PC	Export Price US\$/PC	Dumping Margin US\$/PC	DM%
China PR	All Exporters	*****	*****	*****	197%
Singapore	All Exporters	*****	*****	*****	87%
Hong Kong	All Exporters	*****	*****	*****	72%
Chinese Taipei	All Exporters	*****	*****	*****	79%

47. The dumping margins so determined have been found to be significant and above the de minimis levels.

H. INJURY DETERMINATION

48. The Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region, in its post-preliminary submissions has raised certain issues in respect of injury claims of the domestic industry and determination of the Authority as recorded in the previous sections. No substantial argument has been made by any other interested party on the injury claims of the domestic industry. The views of the above interested parties have been taken on record and examined for the final determination of injury and causal links.

H.1 Cumulative assessment of injury

49. In the preliminary findings the Authority held that cumulative assessment of injury is appropriate in this case since the exports of individual products from the subject countries are directly competing amongst themselves as well as with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market.

50. Trade and Industry Department, the Government of the Hong Kong Special Administrative Region, in its post-preliminary finding submissions has argued that CD-R from Hong Kong only accounted for a small percentage of the total demand when compared to the domestic sales volume. Therefore, imports from Hong Kong could only be a price taker rather than a price leader in the Indian domestic market. The price of the products from Hong Kong should have minimal influence, if any, on the market price of the products.

51. The Annexure II (iii) of the Anti Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that—

- (i) the imports from individual countries are above de minimis or cumulatively account for more than 7% of imports;
- (ii) the dumping margin against individual countries are above 2% and
- (iii) cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

52. The Authority has examined all the above parameters and concludes that the above conditions are satisfied in this case for a cumulative assessment of injury on account of dumped imports from all sources. No additional material fact has been placed before the Authority by any interested party, including Hong Kong, to prove that any of the above conditions prescribed are not satisfied for cumulative assessment. Therefore, the Authority confirms its findings on cumulative assessment of injury.

H.2 Examination of Injury and Causal Link

53. Rule 11 of Anti-dumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry. "Taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles" In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by

the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

54. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

55. The Authority notes that as per the Supreme Court Judgment in Reliance Industries matters the Injury determination and NIP determination is required to be carried out for the domestic industry as a whole. This application has been made on behalf of the Optical Disc Manufacturers Association comprising of 8 known manufacturers of the subject goods in India. Out of these 8 producers 5 producers comprising of about 93% of the total production have produced their cost and injury information as applicant and supporter of the application. Remaining three producers were also asked to provide their cost and injury data which they have failed to provide. The cost and injury information of these producers are also not available in the public domain. The Authority notes that these three producers individually and collectively command very small proportion of the domestic production and therefore, the data of these producers would not have significant impact on computation of NIP and Injury parameters. Accordingly, the Authority has proceeded with the data of the applicants for injury and NIP determination.

56. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production, capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under:

H.2.1 Volume Effects of Dumped Imports: Import volumes and market shares

(a) Import Volumes

57. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India.

58. In the preliminary findings the volume of imports of the subject goods from the subject countries were provisionally analysed based on the data reported in the DGCIS data after pruning the data for unrelated products. However, the domestic industry, in its post preliminary submissions has argued that they had relied upon the data compiled by IMPEX Statistics Services in their application due to significant difference between the import volumes reported in the DGCIS data and secondary sources. It has been argued that DGCIS data for the POI and the injury period shows significantly lower volume of imports compared to data reported in IMPEX Statistics Services data due to wrong classification and wrong description of the product against several transactions.

59. The Authority has examined the transaction-wise import data produced by the applicants from IMPEX Statistics Services and DGCIS data. It appears that a significant number of transactions reported in the IMPEX data are not reported in DGCIS data resulting in significant data anomaly. Therefore, the transaction-wise data reported in the IMPEX Statistics data has been relied upon to determine the volume and price effects of dumped imports from various sources.

60. The import figures are as under :

	2002-03	2003-04	2004-05	Qty. in Pcs POI
CHINA	5409925	25694061	110676681	169682332
Hong Kong	1958000	9310146	17068698	31552658
Singapore	7052780	12587466	20914150	14067625
Taiwan	48413167	56753410	73026729	102625202
Total Subject countries	62833872	104345083	221686258	317927817
Trend	100	166	353	506
Other countries	1858795	15548334	14441814	20058006
Trend	100	836	777	1079
Total Imports	64692667	119893417	236128072	337985823
Trend	100	185	365	522
Share of subject countries	97%	87%	94%	94%
Share of other countries	3%	13%	6%	6%

61. The above data indicates that total imports and dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased substantially during the injury examination period by about 400%. The share of dumped imports from the subject countries account for about 94% of the total imports during this period, implying thereby that the imports from other sources are insignificant and entire growth of imports are accounted for by the imports from the subject countries. The share of imports from the subject countries individually, in the total imports, are significant and above de minimis level. Hong Kong accounts for 9% of total imports to India during the POI and therefore, the argument of Hong Kong in this regard is not valid.

(b) Actual and potential effect on production and capacity utilization

62. The volume of domestic production and effects of dumped imports on the domestic operation of the domestic industry have been examined in terms of total production, capacity utilization and domestic sales of the domestic industry. The Authority notes that one of the domestic producers is an export oriented unit and the domestic production of the domestic industry has been worked out taking into account its domestic sales entitlements as per the relevant policy. The domestic sales of the domestic industry have been compared with the domestic production based on this entitlement.

Production, Sales and Market Share	2002-03	2003-04	2004-05	POI
	Qty. (Nos.)	Qty. (Nos.)	Qty. (Nos.)	Qty. (Nos.)
Installed Capacity	*****	*****	*****	*****
Trend	100	182	200	194
Total Production	*****	*****	*****	*****
Trend	100	188	237	234
Production for domestic market	*****	*****	*****	*****
Trend	100	295	439	293
Capacity Utilization (%)	78%	80%	93%	94%
Trend	100	103	119	121
Indigenous Sale	*****	*****	*****	*****
Trend	100	226	353	323

63. The data indicates that though the domestic industry's capacity, production and capacity utilization remains high and has improved compared to the base year, its production for the domestic market and sales in the domestic market has declined significantly after improvement in 2004-05.

(c) Actual and potential effect on market share

64. Effects of the dumped imports on the domestic sales and market shares have been examined as follows:

Qty. in Pcs	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Total Imports	64692667	119893417	236128072	337985823
Trend	100	185	365	522
Domestic Sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	225.67	353	307
Total Demand	*****	*****	*****	*****
Trend	100	213	357	387
Share in Demand				
Subject countries	*****	*****	*****	*****
Trend	100	78	94	131
Other countries	*****	*****	*****	*****
Trend	100	393	218	279
Domestic Industry	*****	*****	*****	*****
Trend	100	106	97	83

65. While the demand of the subject goods in the domestic market has increased by about 287%, the share of the domestic industry in the total demand has declined by 11% compared to the base year, while the share of the dumped imports have increased by 10% indicating that the dumped imports have significantly impacted the domestic industry's sales volumes and market shares. Therefore, the arguments of the interested parties that there is a marginal decline in the market share do not seem to be correct.

H.2.2 Price effect of dumped imports

66. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The Authority finds that the CIF import prices from the subject countries have been as under :

CIF Prices (Rs./Pc.)	2002-03	2003-04	2004-05	POI
China	4.82	4.37	3.76	3.20
Hong Kong	5.31	4.44	3.45	3.34
Singapore	6.73	5.81	3.90	3.74
Taiwan	5.51	5.69	4.24	3.71
Total Subject countries	5.58	5.26	3.91	3.40
Trend	100	94	70	61
Other countries	7.37	6.55	4.67	4.33
Total of all countries	5.63	5.43	3.96	3.46

67. The above data indicates that the CIF import price of the subject goods from the subject countries have declined by over 40% compared to the base year.

H.2.3 Price undercutting, suppression and depression

68. The Authority determined net sales realization of the domestic industry considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts & commissions and freight & transportation. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty.

Rs./Pc.	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Cost of Sale per unit	*****	*****	*****	*****
Trend	100	94.41	81.4	82.76
	*****	*****	*****	*****
Selling Price				
Trend	100	105.68	66.49	63.68
Landed Value				
CHINA	5.36	4.82	3.99	3.32
Hong Kong	5.90	4.89	3.66	3.46
Singapore	7.48	6.41	4.14	3.87
Taiwan	6.12	6.27	4.50	3.84
Total Subject Countries	6.20	5.80	4.15	3.52
Trend	100	94	67	57
Price Undercutting				
China PR	*****	*****	*****	40—50%
Hong Kong	*****	*****	*****	35—45%
Singapore	*****	*****	*****	20—30%
Chinese Taipei	*****	*****	*****	20—30%
Total Subject Countries	*****	*****	*****	30—40%
NIP				*****
Price Underselling				
China PR				130—135%
Hong Kong				120—130%
Singapore				110—120%
Chinese Taipei				110—120%
Total Subject Countries				120—130%

1957 9/707-8

69. Though there is a decline in the cost of production by about 17%, net sales realization of the domestic industry declined by about 36% over the injury period as shown in the table above. The landed value of imports from the subject countries has declined by about 43%. The price undercutting and underselling of the imports from the subject countries are significant.

H.2.4 Price suppression and depression

70. To examine the price suppression effect of the dumped imports on the domestic prices, the trend of net sale realization of the domestic industry has been compared with the cost of production. The data indicates that though there is a decline in the cost of production of the subject goods during the injury investigation period, the fall in sales realization has been significantly higher than the decline in cost of production. It therefore, appears that the price effect of the dumped imports have forced the domestic industry to keep its prices lower in order to retain its market share.

71. The above analysis shows that the dumped imports have adverse volume and price effect on the domestic industry in terms of increase in volume of dumped imports both in absolute terms and market shares and by depressing the prices of the domestic market and eroding its market share.

H.3 Examination of other injury factors

72. After examining some of the injury factors i.e. actual and potential decline in sales and market share; actual and potential increase in volume of imports etc. in the previous section, the Authority has examined the other mandatory injury parameters as follows :

(a) Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales

73. Performance of the domestic industry in terms of capacity, production, capacity utilization and sales has been as under:

Production and Capacity Utilization				Qty in Pcs POI
	2002-03	2003-04	2004-05	
Capacity of the DI	*****	*****	*****	*****
Trend	100	182	200	194
Total Production	*****	*****	*****	*****
Trend	100	188	237	234
Capacity Utilization	78%	80%	93%	94%
Trend	100	103	119	121
Domestic sales entitlement	*****	*****	*****	*****
Domestic Production	*****	*****	*****	*****
Trend	100	295	439	293
Domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	226	353	323
Sales as % of entitlement		90%	84%	65%

74. The Authority notes that the capacity of the domestic industry has increased significantly in the year 2003-04 and thereafter there is very marginal addition to capacity. Total production of the domestic industry, including the production meant for exports, has increased over the injury period by about 88% between 2002-03 and 2003-04 and thereafter the increase in production has been only about 45% in the next three years. As a result of higher production the capacity utilization has also improved. However, even though total production has increased, the domestic sales have significantly declined in the POI after showing increase in the previous years. The production for domestic sales also shows significant decline after improvement in the previous year though the domestic demand shows a significant growth of about 287% over the base year. The domestic sale as a percentage of its entitlement to sale in the domestic market has declined from 90% in 2004-05 to 65% in the POI.

(b) Profits/Loss and Return on investments

75. Profits earned by the domestic industry from the sales of the subject goods in the domestic market were as follows:—

		2002-03	2003-04	2004-05	POI
Average Domestic	Rs. Per	*****	*****	*****	*****
Cost of Sales	Unit				
Average domestic	Rs. Per	*****	*****	*****	*****
selling price	Unit				
	Rs. Per	*****	*****		
Profit/Loss	Unit			(*****)	(*****)
Trend		100	262	(142)	(202)
Domestic		*****	*****	*****	*****
Investment	Rs.				
ROI on Domestic		*****	*****		

		2002-03	2003-04	2004-05	POI
Investments	Rs.			(*****)	(*****)
Return on Investment [ROI] %	%	*****	*****	(*****)	(*****)
Trend		100	226	(77)	(137)

76. The above data indicates that in spite of increase in overall production and sales, and decline in cost of production, the domestic industry has started losing money on the domestic sales due to significant decline in the domestic selling prices. From positive profit margin per unit in the base year, the domestic industry makes net loss on the domestic sales in the POI. The return on the domestic investments of the domestic industry has declined from a positive return of about 3.61% in the base year to a negative return of about 5% during the POI.

(c) Employment and Wages

77. Number of employees and wages paid has indicates that employment has increased because of the increase in production, which is in line with the capacity addition. The wages have also increased by about 13% compared to the base year, which does not show any disproportionate increase in wage burden on the domestic industry.

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Numbers				
Employment (Manpower strength)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	176	236	258
Average wages per person	*****	*****	*****	*****
Trend	100	101	105	113
Average wages per person per day	*****	*****	*****	*****
Trend	100	101	105	113

(d) Inventories

78. Inventory position of the domestic industry shows significant inventory holding by the domestic industry though the average stock has come down because of increase in export activity..

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Inventory in Pes				
Opening Stock	*****	*****	*****	*****
Closing Stock	*****	*****	*****	*****
Average Stock	*****	*****	*****	*****
Trend	100	35	70	74
Average Stock in terms of No. of Days' sales	*****	*****	*****	*****

(g) Cash Flow

79. Cash profits of the domestic industry over the injury period have been as under:

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Rupees				
Total Cash profit	*****	*****	*****	*****
Trend	100	200	66	30
Cash Profit on domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	325	110	1
Cash Profit per Unit on domestic sales	*****	*****	*****	*****
Trend	100	144	31	1

80. It is seen that the cash profits of the domestic industry has significantly deteriorated over the injury period.

(h) Productivity

81. The productivity of the domestic industry has been examined with reference to production per day and per employee as follows:

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Total Production (Pcs)	*****	*****	*****	*****
Production Per day (Pcs)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	188	237	234

No. of Employees	*****	*****	*****	*****
Productivity per employee (Pcs)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	107	100	91

82. The daily productivity of the domestic industry has improved though per employee productivity has marginally declined due to increase in employment level.

(i) Growth

83. Even though growth of the domestic industry in terms of parameters, such as capacity, production, sales and productivity was positive, the same was negative in terms of market share, profits, cash flow and return on investments.

(j) Ability to raise fresh Investment

84. The Authority notes that the domestic industry has made fresh capital investments in for expansion during the investigation period. However, the investment has been declining each year. However, it is found that the financial performance of the domestic industry is significantly eroding, which has adverse impact on its ability to raise fresh investments.

Investment	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Capital Investment for expansion (Rs.)	*****	*****	*****	*****
Trend	100	72	41	32

H.3 Overall assessment

85. The Authority notes the arguments of Hong Kong that the domestic industry's performance has improved in several parameters and marginal decline in some parameters should not lead to a determination of material injury. However, the above analysis of the injury parameters indicate that in spite of the improvement in capacity, production, reduction in its cost of production, and improvement in productivity, the domestic industry suffers injury on account of decline in domestic sales, while there is a healthy demand for the products in the domestic markets, low net sales realization, higher inventory built up, negative return on investments and profits. The injury suffered is material and significant.

H.4 Causal link

86. Having examined the existence of material injury and volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic in terms of its price undercutting, price underselling and price suppression, and depression effects the Authority has also examined whether other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping could have contributed to injury to the domestic industry. Therefore, the following parameters have been examined:

- (a) **Imports from Third Countries:** - Imports from countries not under investigation account for only 6% of total imports during the POI. These imports are insignificant or at prices higher than the import prices from the subject countries and therefore, do not affect the prices in the domestic industry;
- (b) **Contraction in Demand:** - Demand for the subject goods have increased substantially during the injury examination period. Therefore, possible contraction in demand cannot be attributed to the injury to the domestic industry;
- (c) **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has been alleged by any interested party or noticed during the investigation. In fact the increase in demand of the product has been very significant during the entire investigation period;
- (d) **Conditions of competition:** - The goods are freely importable. The applicants and supporters are the major producers of the subject goods and account for almost 100% of the domestic production. Therefore, domestic competition could not be attributed to the injury to the domestic industry. No other evidence of conditions of competition or trade restrictive practices has been brought to the knowledge of the Authority;
- (e) **Developments in technology:-** Hong Kong has argued that price decrease in the information technology related products is a general trend in the world market. Due to technological developments of the storage media industry and the availability of other substitute products, such as memory cards and portable hard drives, which are also offered at declining prices, the decrease in the selling price of CD-Rs is evident in the world market. Hence, the decline in price of the subject goods in the domestic market could not solely or principally attribute to the imports, in particular products from Hong Kong. The domestic industry has argued that CDR as a storage media is not obsolete and therefore, the claim of the interested parties that technological development in the storage media sector has lead to decline in sales realization, are not supported by any evidence. The Authority notes that no substantive evidence has been placed by any interested party to prove that there is a general decline in prices to the level reflected in the imports data and such decline is due to technological competition from other competing products;

(f) Export performance of the domestic industry:

	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Export Sale	*****	*****	*****	*****
Trend	100	167	197	222

The Authority notes that the export sale of the domestic industry is substantial and shows significant growth. But the profitability from the export has also declined in the injury period. However, for the injury analysis the price and profitability in the domestic and export markets have been segregated. And injury if any caused due to the company's export performance has not been attributed to the dumped imports.

- (g) **Productivity:** - Productivity of the domestic industry has improved in terms of total output. Therefore, this cannot be attributed to the injury of the domestic industry.

87. The non-attribution analysis as above shows that no other factor other than the dumped imports has affected the domestic industry.

H.4.1 Factors establishing causal link

88. Analysis of the performance of the domestic industry over the injury period shows that the performance of the domestic industry has materially deteriorated due to dumped imports from subject countries. Therefore, the causal links between dumped imports and the injury to the domestic industry is established on the following grounds:

1. The dumped import prices and consequently the landed price of imports from the subject countries steeply declined, resulting in significant price undercutting. As a direct consequence, the domestic industry was forced to reduce the prices.
2. Reduction in the selling prices by the domestic industry adversely affected the profits, cash flow and return on investments of the company.
3. Even though the domestic industry responded to decline in import prices, significant positive price undercutting resulted in increase in market share of imports from the subject countries. As a direct consequence, market share of the domestic industry declined.
4. In spite of increase in demand and reduction in selling prices by the domestic industry, market share of the domestic industry declined due to significant reduction in landed price of imports. This retarded the growth of the domestic industry.

89. Therefore, the Authority concludes that the domestic industry suffers material injury and the injury has been caused by the dumped imports from the subject countries/territories.

I Magnitude of Injury and injury margin

90. The non-injurious price determined by the Authority has been compared with the landed value of the exports for determination of injury margin. The weighted average landed price of the exports from the subject countries and the injury margins have been worked out as follows:

Product	Country	Exporter	Injury Margin Rs. Per Pc	Injury Margin %
CDR	China PR	All Exporters	*****	130—135%
CDR	Singapore	All Exporters	*****	120—130%
CDR	Hong Kong	All Exporters	*****	110—120%
CDR	Chinese Taipei	All Exporters	*****	110—120%

J. Conclusions

91. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding the authority concludes that:

- (i) The subject goods have entered the Indian market from the subject countries at prices less than their normal values in the domestic markets of the exporting countries;
- (ii) The dumping margins of the subject goods imported from the subject countries are substantial and above de minimis;
- (iii) The domestic industry has suffered material injury and the injury has been caused to the domestic industry both by volume and price effect of dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

1957 9707-9

K. Indian industry's interest and other issues

92. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

L. Recommendations

93. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links between dumping and injury to the domestic industry in terms of the Rules laid down and having established positive dumping margin against the subject countries, and having concluded that the domestic industry suffers material injury due to such dumped imports the Authority is of the opinion that imposition definitive measure is required to offset dumping and injury caused to the domestic industry. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

94. Having regard to the lesser duty rule followed by the authority, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col. 9 of the duty table annexed herewith is recommended to be collected from the date of imposition of the provisional duty by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject countries/territories. Subject to the above the preliminary finding notified *vide* notification dated 28th August, 2006 is hereby confirmed.

M. Further Procedures

95. Any appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

96. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time limit stipulated for this purpose.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority

DUTY TABLE

Sl. No.	Sub Heading or Tariff Item	Description of Goods	Specification	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	8523.90.50	Compact Discs-Recordable (CD-Rs) Write Once Read Many Times	Any	China PR	China PR	Any	Any	0.099	PC	US\$
2.	-Do-	-Do-	-Do-	China PR	Any other than subject countries	Any	Any	0.099	PC	US\$
3.	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	China PR	Any	Any	0.099	PC	US\$

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
4	8523.90.50	Compact Discs-Recordable (CD-Rs) Write Once Read Many Times	Any	Singapore	Singapore	Any	Any	0.068	PC	US\$
5.	-Do-	-Do-	-Do-	Singapore	Any other than subject countries	Any	Any	0.068	PC	US\$
6.	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Singapore	Any	Any	0.068	PC	US\$
7.	-Do-	-Do-	-Do-	Hong Kong	Hong Kong	Any	Any	0.050	PC	US\$
8.	-Do-	-Do-	-Do-	Hong Kong	Any other than subject countries	Any	Any	0.050	PC	US\$
9.	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Hong Kong	Any	Any	0.050	PC	US\$
10.	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	0.061	PC	US\$
11.	-Do-	-Do-	-Do-	Chinese Taipei	Any other than subject countries	Any	Any	0.061	PC	US\$
12.	-Do-	-Do-	-Do-	Any other than subject countries	Chinese Taipei	Any	Any	0.061	PC	US\$